ISSN 2349-6614

दिसम्बर 2025

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

जिद ने लिखी जीत की कहानी

पहली बार मिला महिला क्रिकेट का विश्वकप

बिहार में नमो-नीतीश की आंधी

आपका अपना बैंक

राजस्थान का प्रथम महिला सहकारी बैंक

दी उदयपुर महिला अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि.

प्रधान कार्यालय :21–22, हिरणमगरी, सेक्टर–3, उदयपुर, फोन : 2462306

IFSC CODE : YESBOUMUCB01 IFSC CODE : ICIC00UMUCB Email : headoffice@umucb.com Website : www.umucbank.com

सोनल अजमेरा, अध्यक्ष

ऋण सुविधाएं

आवास ऋण
ब्याजदर 7.90 प्रतिशत*

दुपहिया वाहन ऋण
ब्याजदर 12.50 प्रतिशत

कृषि मण्डी दुकान ऋण
ब्याजदर 8.90 प्रतिशत

शिक्षा ऋण
ब्याजदर 10.50 प्रतिशत

व्यक्तिगत (LIC) विरुद्ध ऋण
ब्याजदर 10.50 प्रतिशत

सोलर ऋण
ब्याज दर 9.50 प्रतिशत

बन्धक ऋण
ब्याज दर 10.00 प्रतिशत

कार ऋण
(नई कार) ब्याजदर 8.25 प्रतिशत*
(पुरानी कार) ब्याजदर 11 प्रतिशत*

टॉप अप ऋण
9.25 प्रतिशत *

डिजीटल बैंकिग सुविधा

- मोबाईल बैंकिंग
- ऑनलाईन खाते की जानकारी
- ए.टी.एम. कार्ड एवं E. Com
- कैश लैस सुविधा हेतु चालू खाता धारकों को POS Machine
- NEFT/RTGS/SMS/IMPS एवं आधार आधारित भुगतान
- UPI एवं BBPS सुविधा।
- Safe Application कार्ड

बैंकिग सबके लिये

- बचत खाता, चालू खाता
- मियादी जमा खाता, आर.डी. जमा खाता
- मियादी जमाओं में मासिक/त्रैमासिक ब्याज भुगतान की सुविधा
- दैनिक जमा योजना
- बैंक की सभी शाखाओं में लॉकर सुविधा
- महिलाओं को आसान शर्तों पर ऋण
- पर्सनलाईज्ड चेक-बुक
- ग्राहकों को संतोषजनक सेवा प्रदान करना।

बैंक की वर्तमान ब्याज दरें :-

जमाओं पर :

30 days to 45 days	3.00%
46 days upto 179 days	4.00%
180 days and above less then 1 year	5.50%
1 Year	6.90%
13 to 36 month	6.50%
above 36 month	6.50%

वरिष्ठ नागरिकों को 1 वर्ष व अधिक के लिये जमाओं पर 0.5% अतिरिक्त ब्याज

बचत खाता पर :

3.00 प्रतिशत

अधिक जानकारी के लिये हमारी शाखाओं पर सम्पर्क करें :

- ★ अश्विनी बाजार फोन :0294-2414357
- ★ सिन्धी बाजार फोन :0294-2426059
- ★ विश्वविद्यालय मार्ग फोन :0294-2413205
- ★ 4, साइफन चौराहा फोन :0294-2453050
- ★ हिरणमगरी सेक्टर 14 फोन :0294-2641646
- ★ हिरणमगरी, से. नं. 3 फोन :0294-2462307
- ★ शोभागपुरा, (बलीचा) फोन :0294-2640080
- ★ ऋण अधिकारी : 9712957654

प्रत्यूष

दिसम्बर 2025 वर्ष: 23 अंक: 08

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका

प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अंदर के पृष्ठों पर...

दहशतगर्दी

तालिम का बड़ा इदारा आतंक की पनाहगाह
पेज 10

स्मृति शेष

अब न आएगा असरानी की तरह सबको हंसाने वाला
पेज 12

पड़ोस

वजूद खोने पर आमादा बंगलादेश
पेज 14

पुनरीक्षण

नई मतदाता सूचियों का दूसरा चरण
पेज 20

नारी शक्ति

बिहार में सरकार चुनने के निर्णय में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी
पेज 32

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्स: 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

अलखनयन
आई हॉस्पिटल

दक्षिण राजस्थान का एकमात्र सुपर स्पेशलिटी आई हॉस्पिटल

दक्षिण राजस्थान में पहला NABH मान्यता प्राप्त नेत्र चिकित्सालय

विश्व स्तरीय सुपर स्पेशलाइज्ड नेत्र चिकित्सा सेवाएं

मोतियाबिन्द
- फेको इमल्सिफिकेशन (TOPICAL)
- ट्राई फोकल, मल्टीफोकल लेंस, EDOFF
- पिग्गी बैक लेंस, हाइड्रोफोबिक, टोरिक,
- याग लेजर कैप्सूलोटमी (झिल्ली हटाना)

रिफ्रैक्टिव
- लेसिक लेजर Epi –लेसिक
- PTK रिफ्रैक्टिव ICL सर्जरी

बाल नेत्र चिकित्सा
- CONGENITAL CATARACT
- समर्पित बाल प्रतीक्षालय
- विशिष्ट बाल नेत्र चिकित्सक
- विशिष्ट बाल ओ. पि. डि. वार्ड ,निदान एवं जाँच

ग्लूकोमा (कालापानी)
- ट्रबॅक्युलेक्टोमी विथ ओलोजेन
- एन. डी. याग लेजर ट्रैबेकुलोप्लास्टी
- ऑटोमेटेड फील्ड चार्टिंग
- एप्लायनेशन टोनोमेट्री
- गोनियस्कोपी.
- पैकीमेंट्री एन. सी. टी.
- एच. वी. एँफ.
- ओ. सी. टी.
- नॉन कांटेक्ट टोनोमेट्री

रेटिना
- डीटेचमेंट सर्जरी
- न्यूमैटिक रेटिनोपैक्सी
- सिलिकॉन आयल सर्जरी
- रेटिनल क्रायोपेक्सी
- पार्स प्लाना लेंसेक्टोमी
- रेड एवं ग्रीन लेजर
- डिस्लोकेटेड लेंस सर्जरी
- विटरस सर्जरी
- मैक्युलर होल सर्जरी
- डाइबिटिक रेटिनोपैथी की जाँच ,इलाज एवं सर्जरी
- फ्लुरोसिन एवं आई. सी. जी. एंजियोग्राफी
- नवजात शिशुओं में ROP

कॉर्निया (काली टिक्की)
- कॉर्नियल टियर रिपेयर
- केरेटोकोनस C3R.
- टेरिजेयम (मांस हटाना)
- एम्. एम्. जी. ऑटोग्राफ्ट के द्वारा
- कॉर्नियल प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांटेशन)
- OPK/ TPK
- DSEK
- DMEK
- DALK
- टिश्यू एडहेसिवक्ल + बी. सी. एल.
- DRY EYE EVALUATION MANAGEMENT
- स्टेम सेल प्रत्यारोपण
- पेंटकॉम, स्पेक्युलर माइक्रोस्कोप ,

ओक्यूलोप्लास्टिक एवं लो विजन
- नेत्र पलक की सर्जरी
- पलक की ग्रंथि में गांठ
- डैक्रियोसिस्टोरिनोस्टॉमी (DCR)
- SQUINT
- इन्यूक्लिएशन और इविसेरेशन
- संक्रमित /कैंसर युक्तआँख निकालना
- भेंगापन से मुक्ति
- सॉकेट रिकंस्ट्रक्शन एंड लिड टेअर रिकंस्ट्रक्शन
- PTOSIS-SURGERY

24/7 Emergency Services

24 /7 आपातकालीन सेवाएं –सभी सरकारी योजनाओं एवं निजी स्वास्थ्य बीमा कंपनियों से अनुबंधित

PRAN

'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर ✆ 0294-2490970
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

विपक्ष को समझना होगा नतीजों का संदेश

बिहार के विधानसभा चुनावों में मजबूत और भरोसेमंद गठबंधन के जरिये भाजपा ने भविष्य की गठबंधन राजनीति को नई दिशा दी है। इसका असर आने वाले विधानसभा चुनावों में भी दिख सकता है।

भाजपा ने पूरा चुनाव मोदी और नीतीश की जोड़ी पर केंद्रित किया था, जो उसका बड़ा कार्ड साबित हुआ। साथ ही उसने अपनी रणनीति को भी साबित किया है। इसका लाभ उसे पश्चिम बंगाल में छह माह बाद होने वाले चुनावों में मिल सकता है।

बिहार के नतीजे दोनों गठबंधनों के लिए चौंकाने वाले हैं। एनडीए को बड़ी- जीत का भरोसा तो था, लेकिन 200 सीटों का आंकड़ा छूने को लेकर

संशय था, तो दूसरी तरफ विपक्षी गठबंधन को भी लगता था कि एनडीए सत्ता में बनी रह सकती है, लेकिन वह खुद इस हाल में पहुंच जाएगा, इसका अनुमान नहीं था। भाजपा ने इस चुनाव में खुद के बजाय हर मोर्चे पर गठबंधन को आगे रखा था। बूथ प्रबंधन, सीटों के बंटवारे, उम्मीदवारों के चयन, चुनाव घोषणापत्र व चुनाव प्रचार सब कुछ गठबंधन के जरिए था। उसके रणनीतिकार भी गठबंधन के रूप में काम कर रहे थे। भाजपा के तमाम नेताओं ने सहयोगी दलों की सीटों पर प्रचार किया। चुनाव के केंद्र में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी को रखा गया।

ऐसे में जनता ने भी इस जोड़ी पर मुहर लगाई। भाजपा ने युवा, महिला, किसान व रोजगार को केंद्र में रखा। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करने का उसका दांव यहां भी चला। एनडीए ने अपने वादों की बानगी पहले से हा दिखानी शुरू कर दी और विपक्ष के पुराने जंगलराज की याद दिलाकर पुरानी पीढ़ी को आक्रामक और नई पीढ़ी को सतर्क किया।

वर्ष 2024 के आम चुनाव में भाजपा को बहुमत से रोकने में सफल रहा विपक्ष उसके बाद से लगातार कमजोर साबित हो रहा है। आम चुनाव के बाद भाजपा ने जहां महाराष्ट्र, हरियाणा में पुन: सत्ता हासिल की, वहीं, दिल्ली में जोरदार वापसी की। अब बिहार में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उसके नेतृत्व में एनडीए ने शानदार जीत दर्ज की है।

दूसरी तरफ विपक्ष का प्रदर्शन लगातार खराब हुआ है। विपक्ष सिर्फ झारखंड में अपनी सरकार बचा पाने में सफल रहा। यह साफ संकेत है कि आम चुनाव के बाद भाजपा ने जहां अपनी चुनावी रणनीति को नए सिरे से चुस्त- दुरुस्त किया है, वहीं विपक्ष अपने उन मुद्दों को धार देने में विफल रहा जो भाजपा सरकार को कठघरे में खड़ा कर सकते थे।

वोट चोरी, एसआईआर, आरक्षण सीमा खत्म करने, जाति जनगणना और ईबीसी सहित तमाम मुद्दे बेअसर साबित हुए। परिणाम से जहां कांग्रेस पर रणनीति बदलने का दबाव बढ़ा है, वहीं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के लिए चुनौती भी बढ़ गई है।

कांग्रेस ने बिहार में चुनावी रणनीति का ताना-बाना राहुल गांधी की तरफ से उठाए जा रहे मुद्दों के इर्द-गिर्द बुना था। उनके करीबी माने जाने वाले कृष्णा अल्लावरु को चुनाव से कुछ माह पहले प्रभारी नियुक्त किया गया। अल्लावरु ने अपने अंदाज में टिकट बंटवारा किया और तमाम बड़े नेताओं से खुद को किनारे कर लिया।

विपक्ष की राजनीति के महारथी जनता के बीच दिखने वाले समर्थन के बरक्स जमीनी अंदाजा लगाने में नाकाम कैसे हो गए? उनका महागठबंधन अपने प्रचार में इतना नकारात्मक कैसे हो गया? किए गए वादे तर्कपूर्ण या समझदारी भरे नहीं थे। राजद के पास सीटें ज्यादा नहीं हैं, पर मत प्रतिशत है, तो उसे नए तेवर-कलेवर की तलाश में लगना होगा। कांग्रेस आज सबसे ज्यादा निराश है, तो उससे भी ज्यादा वामपंथी दल। पिछले चुनाव में वाम के पांव तले एक जमीन दिखी थी, पर इस चुनाव में वह भी छिन गई। कुल मिलाकर, विपक्ष की राह अब और मुश्किल हो गई है, जबकि लोग सत्तारूढ़ विजेता एनडीए की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रहे हैं।

चुनाव में कांग्रेस की हार अत्यंत दयनीय रही। उसने 61 सीटों पर चुनाव लड़ा और मात्र 6 सीट ला पाई, उसके मुकाबले असुदुद्दीन औवैसी की एआईएमआईएम बहुत कम सीटों पर लड़कर भी पांच सीटें ले गई। कांग्रेस को नकारात्मक राजनीति का रास्ता बदलना होगा। उसे देश और देश की जनता तथा विकास पर अधिक फोकस करना होगा। सिर्फ मंथन बैठकें ही काफी नहीं हैं, उन पर अमल भी जरूरी है।

राजग की प्रचंड जीत - महागठबंधन ध्वस्त

नमो-नीतीश की आंधी का रुख अब बंगाल कूच

विष्णु शर्मा हितैषी

बिहार विधान सभा चुनाव में अभूतपूर्व जनादेश मिलने के बाद पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में 20 नवंबर को एनडीए सरकार के मुखिया के तौर पर नीतीश कुमार ने 26 मंत्रियों के साथ शपथ ली। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नीतीश कुमार रिकार्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने हैं। इससे पूर्व उन्हें 19 नवंबर को एनडीए विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुना गया। शपथ समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों एवं वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। मंत्रिमंडल में भाजपा को 14, जदयू को 8, लोजपा को 2 और हम तथा रालोमो को एक-एक स्थान मिला।

बिहार में 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में संपन्न हुए चुनाव में एनडीए ने विधानसभा की कुल 243 में से दो-तिहाई से अधिक 202 सीटों पर बम्बर जीत दर्ज की। जब कि विपक्ष का महागठबंधन 37 सीटों पर ही सिमट गया। एनडीए का नेतृत्व जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के हाथों में था। तो महागठबंधन की सरपरस्ती कांग्रेस के राहुल गांधी व राजद के तेजस्वी यादव कर रहे थे। बिहार चुनाव में एनडीए की जीत ने अगले साल प. बंगाल, केरल और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भी उसका हौसला बुलंद कर दिया है। इन राज्यों में विशेषकर ममता बनर्जी को भाजपा ने साफ संदेश दे दिया है कि वह वहां होने वाले चुनाव के लिए बदलाव की रणनीति के साथ उपस्थित होने वाली है। इस चुनाव का पहला संदेश तो यही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की लोकप्रियता और विश्वसनीयता अपने प्रतिद्वंद्वियों से बहुत ऊपर है। दूसरे, बिहार के मतदाता मानते हैं कि नीतीश ने अपने पूर्ववर्तियों से बेहतर शासन दिया है। लालू- राबड़ी के 15 साल के शासन को उनके विरोधी जंगलराज करार देते हैं। उसी के विरुद्ध बदलाव का प्रतीक बनकर, भाजपा से गठबंधन में, नीतीश कुमार उभरे। बेशक दो बार पाला बदलने से नीतीश की तुलना मायावती से की जाने लगी, जो मुख्यमंत्री बनने के लिए किसी से भी समझौता करती रहीं, लेकिन चुनाव परिणाम बताते हैं कि उनकी

जीत के पांच कारण

प्रधानमंत्री पर भरोसा : प्रधानमंत्री मोदी के विकसित बिहार बनाने के भरोसे ने मतदाताओं को लुभाया। इसके अलावा रोजगार सृजन के वादे ने भी आकर्षित किया।

शासन और साख : नीतीश कुमार की शासन शैली और साख की भूमिका। बीस वर्षों तक सरकार में रहने के बाद भी नीतीश के खिलाफ मतदाताओं में नाराजगी नहीं दिखी।

दमदार प्रचार : चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री, गृह मंत्री समेत कई दिग्गजों ने ताकत झोंकी। नीतीश कुमार ने भी लगातार सभाएं कीं।

बेहतर तालमेल : एनडीए में जदयू और भाजपा में बेहतर समझदारी रही। अन्य साझेदार दलों के बीच भी एकजुटता रही।

सहूलियतों की घोषणाएं : नीतीश सरकार ने चुनाव पूर्व कई फैसले लिए। चुनाव के दौरान कई वायदे किए। सहूलियतों का मास्टर स्ट्रोक कामयाब रहा। खास तौर पर महिलाओं के लिए की गई घोषणाएं।

हार के प्रमुख कारण

वोट कम : राहुल गांधी ने सासाराम में वोटर अधिकार यात्रा के जरिए चुनाव प्रचार की शुरुआत की। भीड़ भी जुटी, पर कांग्रेस भीड़ को वोट में बदलने में नाकाम रही।

बूथ स्तर पर कमजोर : इस विधानसभा चुनाव में कांग्रेस व राजद बूथ स्तर पर मजबूत बनाने में विफल रही है। मतदान के वक्त प्रमुख जिलों में बूथ पर कार्यकर्ता तक नहीं थे। लालू परिवार में कलह।

स्थानीय मुद्दों से दूरी : कांग्रेस ने चुनाव प्रचार के दौरान स्थानीय मुद्दों के बजाय दूसरे मुद्दों को तरजीह दी। जबकि एनडीए ने पूरा चुनाव प्रचार अपनी योजनाओं पर केन्द्रित रखा।

'वोट चोरी' बेअसर : वोट चोरी के आरोपों का कोई असर नहीं हुआ। राहुल गांधी ने पहले चरण के चुनाव से पहले भी एसआईआर का मुद्दा उठाया, पर यह बेअसर साबित हुआ।

गठबंधन में टकराव : महागठबंधन में घटकदलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर टकराव की वजह से भी कार्यकर्ताओं के बीच तालमेल का अभाव रहा।

साख बरकरार है। शुरू से बड़े भाई की भूमिका में रहे नीतीश कुमार के जदयू को इस बार अपने बराबर 101 सीटों पर ही चुनाव लड़ने को मनाना भाजपा के लिए आसान नहीं था। चिराग पासवान की लोजपा (आर), जीतनराम माझी की 'हम' और उपेंद्र कुशवाहा की 'रालोमा' भी ज्यादा सीटें मांग रहे थे, लेकिन व्यापक हित में सब मान गए। इसके विपरीत महागठबंधन सत्ता विरोधी भावना की संभावना के बावजूद वैसी एकजुटता न तो सीट बंटवारे में दिखा पाया और न ही चुनाव प्रचार में। राजद और कांग्रेस में अंत तक औपचारिक सीट बंटवारा नहीं हो पाया। पिछली बार कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़कर 19 पर जीत दर्ज की थी। इस बार 61 सीटों पर लड़ी और 6 ही जीत सकी। महागठबंधन में आधा दर्जन सीटों पर दोस्ताना मुकाबले की स्थिति रही। राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा के बाद तेजस्वी ने भी अपनी यात्रा निकाली। वोट अधिकार यात्रा के बाद लगभग दो महीने तक बिहार से नदारद रहे राहुल ने तेजस्वी के साथ संयुक्त चुनाव प्रचार की जरूरत नहीं समझी। राजग ने सीटों से लेकर टिकट बंटवारे से बिहार में लालू-राबड़ी के जंगलराज के आजमाए हुए मुद्दे के साथ ही केंद्र और राज्य सरकार के कामकाज पर चुनाव लड़ा, जबकि महागठबंधन खराब कानून व्यवस्था, गरीबी और पलायन के बजाय नौकरियां देने समेत लोक लुभावन वादों पर केंद्रित रहा। बेशक नीतीश सरकार ने भी चुनाव से ठीक पहले सवा करोड़ महिलाओं के खाते में 10- 10 हजार रुपए ट्रांसफर करने समेत कई लोक - लुभावन योजनाओं का सहारा लिया, जिनका असर चुनाव पर पड़ा। राहुल गांधी समेत पूरे महागठबंधन ने ही एसआइआर और वोट चोरी को मुद्दा बनाया, पर चुनाव परिणाम बताते हैं कि वह चला नहीं। महागठबंधन की इस चौतरफा नाकामी का ही परिणाम है कि न सिर्फ जदयू की सीटें बढ़कर दोगुना हो गई, बल्कि भाजपा सबसे बड़ा दल बन गई, जबकि पिछले चुनाव में सबसे बड़ा दल बने राजद की सीटें आधी से भी कम रह गई, तो कांग्रेस दो अंकों में भी नहीं पहुंच पाई।

यह परिणाम चौंकाने वाले और यह स्पष्ट करते है कि चुनाव प्रक्रिया शुरू से ही निष्पक्ष नहीं थी। हम एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। यह लड़ाई संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की है। इंडिया गठबंधन इस परिणाम की गहराई से समीक्षा करेगा और संविधान, लोकतंत्र को बचाने के अपने प्रयासों को जारी रखेगा।

–राहुल गांधी, नेता विपक्ष लोकसभा

पार्टी, लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगी। हम नतीजों का विस्तृत विश्लेषण करेंगे। कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित होने की जरूरत नहीं है। संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हमारी लड़ाई लंबी है।

–मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

तुलनात्मक परिणाम

गठबंधन / दल	सीटें (2025)	सीटें (2020)
एनडीए	202	125
बीजेपी	89	74
जेडीयू	85	43
एलजेपी	19	01
अन्य	09	08
महागठबंधन	35	110
आरजेडी	25	75
आईएनसी	06	19
अन्य	04	16
कुल सीटें 243, बहुमत के लिए जरूरी 122		

सुशासन, विकास, जन कल्याण की भावना और सामाजिक न्याय की जीत हुई है। बिहार के मेरे परिवारजनों का बहुत–बहुत आभार। यह प्रचंड जनादेश हमें बिहार के लिए नए संकल्प के साथ काम करने की शक्ति प्रदान करेगा।

–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

राज्यवासियों ने भारी बहुमत देकर हमारी सरकार के प्रति विश्वास जताया है। आप सबके सहयोग से बिहार और आगे बढ़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी को उनसे मिले सहयोग के लिए हृदय से आभार एवं धन्यवाद।

–नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री बिहार

प्रत्यूष

अंता उपचुनाव में कांग्रेस की जीत भजनलाल के लिए आत्म मंथन का संदेश

वसुंधरा के गढ़ में बोल गया 'मोर्या'

नंदकिशोर

राजस्थान की राजनीति में हड़कंप मचाने वाले अंता विधानसभा उपचुनाव में जनता ने कांग्रेस के अनुभवी सिपाही प्रमोद जैन भाया को अपना प्रतिनिधि चुनकर चौथी बार विधानसभा भेजा है, जो न केवल उनकी व्यक्तिगत जीत है, बल्कि यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार के लिए एक बड़ा वेक-अप कॉल भी है। भाया ने 15,594 वोटों के विशाल अंतर से जीत हासिल की है। यह जीत दर्शाती है कि अंता की जनता ने न केवल भाया के पूर्व में कराए विकास कार्यों पर भरोसा जताया है, बल्कि बीजेपी की रणनीति और स्थानीय पकड़ को खारिज कर बकौल गाविंद सिंह डोटासरा उसका 'मोर्या' बोला दिया। यह उपचुनाव भाजपा के कंवरलाल मीणा की विधानसभा सदस्यता रद्द होने पर कराया गया था। सियासी गलियारों में अंता उपचुनाव को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए पहले 'जनमत संग्रह' के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन यह परिणाम साफ संकेत देता है कि सरकार के कामकाज को लेकर भी जनता में निराशा है। यहां हार न सिर्फ भाजपा प्रत्याशी की ही है, बल्कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे की भी है। इसलिए कि भजनलाल मौजूदा भाजपा सरकार के मुखिया हैं और वसुंधरा राजे पूर्व मुख्यमंत्री होने के साथ उस हाड़ौती अंचल की बड़ी नेता हैं, जहां यह उप चुनाव हुआ। इस क्षेत्र के भाजपा सांसद और वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह भी प्रभावहीन रहे। नरेश मीणा 23 माह में यह तीसरा चुनाव हारे हैं, लेकिन तीनों में ही उन्होंने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई।

2023 में वे छबड़ा सीट से लड़े थे। 43,921 वोट लेकर तीसरे नंबर पर रहे। कांग्रेस को 60 हजार और भाजपा को 65 हजार वोट मिले। नवंबर में उपचुनाव में देवली-उनियारा से निर्दलीय चुनाव लड़ा और 59,478 वोट लेकर दूसरे नंबर पर रहे। भाजपा ने यह सीट जीती थी, कांग्रेस तीसरे नंबर पर ही थी। नरेश मीणा ने नवंबर 25 में बतौर निर्दलीय अंता से उपचुनाव लड़कर 53 हजार 800 वोट हासिल किए। भले तीसरे नंबर पर रहे, लेकिन भाजपा से सिर्फ 159 वोट कम मिले।

इस चुनाव में कांग्रेस की जीत का श्रेय प्रमोद जैन 'भाया' के सघन जनसंपर्क और सेवा भावना को तो जाता ही है, उनके लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रभारी

जीत : प्रमोद जैन भाया (कांग्रेस)
मत मिले : 69,571
15612 मतों से जीते
हार : मोरपाल सुमन (भाजपा)
मत मिले : 53,959
15612 मतों से हारे
3 नंबर पर : नरेश मीणा (निर्दलीय)
मत मिले : 53,800
15771 मतों से हारे

राजस्थान विधानसभा वर्तमान स्थिति

भाजपा	118
कांग्रेस	67
बीएपी	04
बीएसपी	02
आरएलडी	01
निर्दलीय	08
कुल सीट	200

और बढ़ा कद **गर्क हुए बेड़ा**

महासचिव सुखजिन्दर सिंह रंधावा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, विपक्ष के नेता टीकाराम जूली और पूर्व मंत्री अशोक चांदना ने भी रात-दिन एक किया। कांग्रेस की यह जीत बतौर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यों पर प्रश्न चिह्न भी है। कहा जाता है कि वसुंधरा राजे ने उनके साथ रोड शो भले ही किया हो, लेकिन उनके समर्थक मोरपाल सुमन के साथ मन से नहीं जुड़ पाए। जब कि कांग्रेस के कार्यकर्ता विधान सभा क्षेत्र की सभी पंचायतों में एक जुट रहे। कुलमिलाकर कांग्रेस की संगठनात्मक तैयारी और भाया की गांव-गांव पहुंच जीत का आधार बनी। भाजपा मोरपाल सुमन को लोकप्रिय नहीं बना पाई। सीएम भजनलाल शर्मा भी अंतिम दिनों में सिर्फ दो बार रोड शो करने पहुंचे।

हार हमारी सामूहिक जिम्मेदारी

हम विकास के काम जनता को बताने में कामयाब नहीं हो सके। कांग्रेस ने भ्रम फैलाया और जीत गए। संगठन की कमी की भी समीक्षा करेंगे। ये हार हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। सबसे ज्यादा जिम्मेदारी मेरी खुद की है। अंता का परिणाम राज्य की सत्ता में किसी तरह के परिवर्तन का संकेत नहीं देता।

–मदन राठौड़,
प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा

भाजपा की अंदरूनी फूट उजागर

भाजपा की अंदरूनी फूट उजागर हो गई है। सत्ताधारी दल को दूसरे नंबर के लिए भी निर्दलीय प्रत्याशी से कड़ी चुनौती मिली। मुख्य सचिव के बाद अब कई पर्चियां बदलेंगी। भाजपा को मिला जनादेश पांच साल चलना चाहिए, मगर हालात ऐसे बन रहे हैं कि सरकार कभी भी लड़खड़ा सकती है।

– गोविन्द डोटासरा,
प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस

7 राज्यों की 8 सीटों पर उपचुनाव

सात राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे इस प्रकार रहे– राजस्थान की अंता सीट पर कांग्रेस के प्रमोद जैन जीते हैं। यह सीट भाजपा के पास थी। तेलंगाना की जुबली हिल्स सीट से कांग्रेस के नवीन यादव जीते। यह सीट पहले बीआरएस के कब्जे में थी। ओडिशा में भाजपा ने बीजद नुआपाड़ा सीट छीन ली।

सीट	जीती पार्टी	पहले किसकी
नगरोटा (J&K)	भाजपा	भाजपा
बडगाम (J&K)	पीडीपी	नेशनल कॉन्फ्रेंस
घाटसिला (झारखंड)	झामुमो	झामुमो
डम्पा (मिजोरम)	एमएनएफ	एमएनएफ
नुआपाड़ा (ओडिशा)	भाजपा	बीजद
तरनतारन (पंजाब)	आप	आप
जुबली हि. (तेलंगाना)	कांग्रेस	बीआरएस

अल फलाह यूनिवर्सिटी में पल रहे थे दिल्ली विस्फोट के जिम्मेदार

तालिम का बड़ा इदारा आतंक की पनाहगाह

राजवीर

सफेदपोश आतंकी तंत्र और दिल्ली के लाल किले के पास हुए उच्च तीव्रता वाले विस्फोट के सिलसिले में हरियाणा के फरीदाबाद जिले के मुस्लिम बहुल धौंज गांव में अल-फलाह विश्वविद्यालय और उसका विशाल परिसर जांच के घेरे में हैं।

शिक्षा की आड़ में धार्मिक कट्टरपंथियों का सेंटर बनी इस यूनिवर्सिटी के तीन डॉक्टर डॉ. मुजम्मिल शकील, डॉ. शाहीन शाहिद और डॉ. उमर नबी इस युनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज से जुड़े थे। डॉ. शाहीन शाहिद और डॉ. उमर नबी का करियर पहले भी दागदार रहा है। इनके अलावा इस मॉडयूल में शामिल डॉ. निसार-उल-हसन का करियर भी विवादों में रहा है। डॉ. उमर नबी को जम्मू कश्मीर के एक मेडिकल कॉलेज से रेडिकलाइजेशन के लिए निकाला गया था। डॉ. निसार-उल-हसन को साल 2023 में जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल द्वारा आतंकियों से संबंध रखने के कारण नौकरी से बर्खास्त किया गया था। वहीं डॉ. शाहीन शाहिद को भी कई साल तक कानपुर मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी से गैर हाजिर रहने की वजह से निकाल दिया गया था। हैरानी की बात ये है कि इन तीनों को अल फलाह यूनिवर्सिटी में नौकरी पर रख लिया गया। अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट और यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने इन तीनों को नौकरी देने से पहले इनका विवादित बैकग्राउंड तक चैक नहीं किया था, या फिर किसी खास मकसद से उन पर मेहरबानी की गई थी?

डॉ. शाहीन

डॉ. मोहम्मद उमर

आदिल अहमद

डॉ. मोहम्मद मुज्जमिल

मस्जिद के इमाम को भी पकड़ा

अल-फलाह यूनिवर्सिटी से बहुत बड़े आतंकी मॉड्यूल को चलने का शक इसलिए भी गहरा हो गया है क्योंकि कैंपस से सटी मस्जिद के इमाम इश्तियाक को भी हिरासत में लिया गया है। 2900 किलो विस्फोटक मिलने के मामले में जांच एजेंसियों ने इसे हिरासत में लिया है। इसे बीस साल पहले अल-फलाह यूनिवर्सिटी कैंपस से सटी मस्जिद में इमामत की नौकरी मिली थी। मस्जिद में ही रहने को घर मिला। इसी दौरान वह डॉ. मुजम्मिल शकील के संपर्क में आया और दोनों में दोस्ती हो गई। कई बार वह उसके घर दावत पर भी आया था। इमाम इश्तियाक ने फतेहपुरा तगा में चार कमरों का एक पुराना घर खरीद लिया था। डॉ. मुजम्मिल ने इमाम से इस पुराने घर का एक हिस्सा किराये पर ले लिया। इसी घर से 8-9 नवम्बर को पुलिस ने विस्फोटक बरामद किए थे।

युनिवर्सिटी का विशाल कैंपस

करीब 76 एकड़ में फैले इस विश्वविद्यालय की स्थापना 2014 में हरियाणा विधानसभा द्वारा हरियाणा निजी विश्वविद्यालय अधिनियम 2006 के तहत की गई थी। पढ़े-लिखे लोगों के पाकिस्तान समर्थित सरपरस्तों के इशारे पर काम करते हुए पाए जाने के

बाद जांचकर्ता यह पता लगा रहे हैं कि यह विश्वविद्यालय ऐसे व्यक्तियों के लिए आश्रय स्थल कैसे बन गया? अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआइयू) ने इस विश्वविद्यालय की मेम्बरशिप रद्द कर दी है और उसे एआईयू का 'लोगो' हटाने का निर्देश दिया है। वर्ष 1995 में स्थापित अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित इस विश्वविद्यालय की शुरुआत 1997 में एक इंजीनियरिंग कॉलेज के रूप में हुई थी। 2013 में अल फलाह इंजीनियरिंग कॉलेज को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय मूलयांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) से ए श्रेणी की मान्यता प्राप्त हुई। अल-फलाह मेडिकल कॉलेज (2019) भी इसी विश्वविद्यालय से संबद्ध है। विश्वविद्यालय का कुलाधिपति जवाद अहमद सिद्दकी, अल-फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट का अध्यक्ष और अल फलाह इंवेस्टमेंट्स लिमिटेड का प्रबंध निदेशक भी है। जिसकी गिरफ्तारी हो चुकी है। श्रीनगर सहित कुछ अन्य स्थानों से भी गिरोह के सदस्य डॉक्टर पकड़े गए हैं। डॉ. भूपिंदर कौर आनंद इस विश्वविद्यालय की कुलपति हैं। आनंद के बारे में भी पूरी तहकीकात अपेक्षित है। अपने प्रारंभिक वर्षों में अल-फलाह विवि ने खुद को अल्पसंख्यक छात्रों के लिए अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय व जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एक विकल्प के रूप में पेश किया। पुलवामा का डॉ. मोहम्मद उमर नबी इस विवि में सहायक प्रोफेसर था। ऐसा संदेह है कि दिल्ली विस्फोटकों से लदी हुई आई 20 कार वही चला रहा था। कार विस्फोट के दौरान उसकी मौत की पुष्टि की गई है। पुलवामा स्थित उसके घर को भी जंमीदोज कर दिया गया है। कार में विस्फोट विश्वविद्यालय से जुड़े तीन चिकित्सकों सहित आठ लोगों को गिरफ्तार करने और 2900 किलोग्राम विस्फोटक जब्त करने के कुछ घंटों बाद हुआ। जिसमें जैश-ए-मोहम्मद और अंसार गजवत-उल-हिंद से जुड़े एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का खुलासा हुआ, जो कश्मीर हरियाणा और उत्तरप्रदेश तक फैला हुआ था। केन्द्र सरकार को धार्मिक उन्माद की शिक्षा देने वाले और राष्ट्रद्रोह का षडयंत्र करने वाली संस्थाओं को तत्काल मान्यता समाप्त कर उन्हें ध्वस्त करके कट्टरपंथियों को कड़ा संदेश देना चाहिए। अल-फलाह युनिवर्सिटी में चल रहे फोरेन्सिक जांच के बाद भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। लाल किलो बम धमाके की जांच में एनआईए को बड़ी कामयाबी मिली है। उसने राष्ट्रीय राजधानी से आमिर राशिद अली नाम के शख्स को दबोचा है। बताया जाता है कि धमाके को अंजाम देने वाली आई-20 कार इसी आमिर के नाम पर रजिस्टर्ड थी। एनआईए ने दिल्ली पुलिस से मामला अपने हाथ में लेने के बाद बड़े पैमाने पर छानबीन की, जिसके बाद उसे यह कामयाबी मिली। दबोचा गया आमिर राशिद जम्मू कश्मीर के पंपोर का निवासी है।आमिर ने हमलावर डॉ. उमर के साथ मिलकर लाल किला पर हुए धमाके की साजिश रची थी। जांच में आया है कि हमले में इस्तेमाल की गई हुंडई आई-20 कार आमिर राशिद अली के नाम पर रजिस्टर्ड थी। जांच एजेंसी ने बताया है कि आमिर राशिद अली कथित तौर पर उस आई-20 कार की खरीद में मदद करने के लिए दिल्ली भी आया था।

चार शहरों में धमाका करने की थी तैयारी

एजेंसियों के मुताबिक मॉड्यूल का मकसद बेहद खतरनाक था। आठ संदिग्धों ने देश के चार शहरों में सीरियर ब्लास्ट करने की योजना बनाई थी। हर शहर में दो-दो लोगों की टीम भेजी जानी थी और हर टीम को कई आईईडी ले जाने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस योजना को मल्टी लोकेशन प्लान नाम दिया गया था, ताकि एक साथ कई स्थानों पर विस्फोट से देशभर में दहशत फैलाई जा सके। जांच एजेंसियां अब तक यह खंगाल रही हैकि इस नेटवर्क के कितने और सदस्य देश के अलग-अलग राज्यों में सक्रिय है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और एनआईए मिलकर अब पूरे मॉड्यूल की जड़ तक पहुंचने की कोशिश में है।

Bhawani
Vinod
Kajod

!! Jai Mata Di !!

8741939095
9783591526
9929133918

Bhawani
Readymade

Exclusive Man's & Kids Wear

Dhanmandi, Teej Ko Chowk, Shiv Mandir ke Samne,
Udaipur (Raj.) 313001

अब न आएगा असरानी की तरह सबको हंसाने वाला

अभिनेता असरानी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उनकी कॉमिक टाइमिंग लाजवाब थी। वे हरफनमौला अभिनेता थे। उन्हें रमेश सिप्पी की फिल्म 'शोले' में सनकी जेलर की भूमिका के लिए सदैव याद रखा जाएगा। इनके पिता को जयपुर की कालीन बनाने वाली एक नामी कम्पनी में बतौर प्रबंधक की नियुक्ति मिली थी। इसीलिए पूरे परिवार को कराची से जयपुर शिफ्ट होना पड़ा।

प्रदीप सरदाना

जब इसी साल 15 जुलाई को यह खबर आग-सी फैली कि प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता असरानी नहीं रहे। मैंने इस खबर की सच्चाई जानने के लिए कुछ फिल्म वालों को फोन किया, तो पता लगा वह अफवाह थी। मगर असरानी इस खबर से विचलित नहीं हुए। वह बोले, पता नहीं, यह किसने उड़ा दी ? लेकिन मैं समझता हूं, यह अच्छी बात है। ऐसी झूठी खबरों से उम्र बढ़ जाती है। काश! ऐसा होता, उनकी उम्र बढ़ती। तीन महीने बाद ही 20 अक्तूबर को वह झूठी खबर सच बन गई। इसे संयोग कहें या कुछ और। गोवर्धन कुमार असरानी का निधन गोवर्धन पूजा से एक दिन पहले दीपावली के दिन हुआ।

असरानी का जन्म 1 जनवरी, 1941 को जयपुर में हुआ था। सात भाई-बहिनों में वह तीसरे नंबर पर थे। परिवार कराची से इसलिए जयपुर आ गया था कि इनके पिता को वहां एक कालीन बनाने वाली कंपनी में प्रबंधक की अच्छी नौकरी मिल गई थी। इसके चलते इनके पिता बड़े परिवार के बावजूद अपने बच्चों को जयपुर के सेंट जेवियर्स जैसे स्कूल से शिक्षा दिलाने में सफल रहे। हालांकि, असरानी का मन पढ़ाई से ज्यादा अभिनय में लगता था। इसलिए जयपुर में वह आकाशवाणी के कार्यक्रम करने लगे। उधर, जब एक दिन गोवर्धन ने अखबारों में पुणे फिल्म संस्थान का अभिनय, निर्देशन आदि में प्रशिक्षण का विज्ञापन देखा, तो वह पुणे पहुंच गए। सन 1962 में इन्हें वहां अभिनय पाठ्यक्रम में प्रवेश मिल गया। उस समय इनके साथ सुभाष घई भी थे। अपने इस पाठ्यक्रम के दौरान गोवर्धन कुमार ने संस्थान की फिल्म 'इन सर्च ऑफ गॉड' में पहली बार एक शराबी की भूमिका की। साल 1965 में पुणे से पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद कॉलेज के दिनों की सभी फिल्मों के प्रिंट लेकर इन्होंने मुंबई के विभिन्न स्टूडियो में चक्कर लगाना शुरू कर दिया। आजीविका चलाने के लिए वह सोमवार से गुरुवार तक पुणे में पढ़ाते और बाकी दिन मुंबई जाकर संघर्ष करते, जहां इनको हरे कांच की चूड़ियां, उमंग व सत्यकाम जैसी फिल्मों में छोटी-छोटी भूमिकाएं मिलीं। इसी दौरान एक दिन फिल्मकार ह्रषिकेश मुखर्जी गीतकार गुलजार के साथ अपनी नई फिल्म गुड्डी के लिए जया भादुड़ी की तलाश करते हुए पुणे फिल्म संस्थान पहुंचे। जया तो गुड्डी की नायिका बन ही गईं, साथ ही गोवर्धन को भी छोटी सी भूमिका मिली। गुड्डी हिट होते ही गोवर्धन भी चल पड़े। तब इन्होंने स्वयं ही अपना नाम छोटा करते हुए असरानी कर दिया। बाद में यह नाम हिंदी सिनेमा का ऐसा नाम हो गया, जिसे हर बड़ा फिल्मकार अपनी फिल्म में खुशी-खुशी लेता था। पचपन से अधिक बरसों की फिल्मी यात्रा में असरानी ने करीब 300 फिल्मों में काम किया। पहली बड़ी पहचान इन्हें फिल्म निर्देशक गुलजार की 'मेरे अपने' से मिली। राजेश खन्ना के साथ बावर्ची में आने से यह और लोकप्रिय हो गए। इसके बाद राजेश खन्ना के साथ 25 फिल्में कीं। उधर अमिताभ-जया की 'अभिमान' में तो इनकी भूमिका इतनी पसंद की गई, जिसे आज तक नहीं भुलाया जा सका। अमिताभ के साथ भी इनकी 20 फिल्में होंगी। इनमें वह 'शोले' भी है, जिसमें अंग्रेजों के जमाने के जेलर वाली

अन्य भूमिका उनकी सभी किरदारों पर भारी पड़ी। मगर एक जैसी भूमिकाओं से व्यथित होकर असरानी निर्माता-निर्देशक बन गए। 1977 के दिनों में, जब वह दिल्ली में स्व-निर्देशित पहली फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' की शूटिंग कर रहे थे, तो उनसे वह मुलाकात आज भी नहीं भूलती। बाद में उन्होंने सलाम मेमसाब, हम नहीं सुधरेंगे व दिल ही तो है जैसी हिंदी फिल्मों का निर्देशन भी किया। पत्नी मंजू के साथ मिलकर उन्होंने नटखट नारद और कशमकश जैसे सीरियल भी बनाए। अपनी पहली तीनों हिंदी फिल्मों में वह स्वयं नायक रहे। लेकिन, इनके निर्देशन में बनी कोई भी फिल्म चली नहीं। इसलिए बाद में फिल्म निर्माण-निर्देशन से तौबा कर ली, लेकिन उनकी अभिनय यात्रा अंत तक जारी रही। मृत्यु से पांच दिन पूर्व जब सांस में तकलीफ के कारण वह आरोग्य निधि अस्पताल में दाखिल हुए, उस समय असरानी अक्षय कुमार के साथ प्रियदर्शन की 'हैवान' की शूटिंग कर रहे थे। असरानी का शानदार अभिनय सदा उनका स्मरण कराता रहेगा।

असरानी में दर्शकों को हंसाने और उनका मनोरंजन करने की गजब की क्षमता थी। वे बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। जिसकी 'कॉमिक टाइमिंग' लाजवाब थी। उनकी प्रतिभा, विनम्रता व गर्मजोशी भारतीय सिनेमा जगत में हमेशा याद रखी जाएगी। अभिनेता के तौर पर उनकी जगह कोई नहीं ले पाएगा। असरानी न केवल एक शानदार अभिनेता थे, बल्कि पुणे स्थित भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआइ) में प्रशिक्षण के शुरुआती दिनों में मेरे गुरु और मार्गदर्शक भी रहे। मेरा उनसे कई तरह से जुड़ाव रहा। एफटीआइआइ में, उन्होंने हमारी कक्षाएं लीं। दो साल तक हमने उनसे सीखा। फिर वे मेरे सह-अभिनेता बन गए। वे मेरे शिक्षक से मेरे सहकर्मी बन गए। हमने कई फिल्मों में साथ काम किया। उन्हें ईश्वर का वरदान था कि वे लोगों को कभी भी हंसा सकते थे।

–रजा मुराद

Er. Sanjay Kothari
Director
94616-58835

Piyush Kothari
Director
90017-87112

Piyush Electricals

"A" Class Govt. Contractor & Suppliers

1st Floor, 4 Joshi ji ki Gali, Nada Khada, Bapu Bazar, Udaipur - 313 001 (Raj)

वजूद खोने पर आमादा बंगलादेश

भगवान प्रसाद गौड़

बांग्लादेश आज जिस राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक उथल-पुथल से गुजर रहा है, वह केवल एक अस्थायी संकट नहीं, बल्कि एक गहरे और खतरनाक राष्ट्र-संकट का संकेत है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) द्वारा सुनाई गई फांसी की सजा ने इस संकट को चरम पर पहुँचा दिया है। यह फैसला न केवल बंगलादेश की न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करता है, बल्कि यह भी स्पष्ट करता है कि बांग्लादेश कट्टरपंथ की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। विदेशी मामलों के विशेषज्ञ तो इसे उसके दुनिया के 'मानचित्र से हटने की राह' बता रहे हैं।

राजनीतिक प्रतिशोध और लोकतंत्र का हनन

भारत में राजनैतिक शरण प्राप्त शेख हसीना पर 2024 के छात्र आंदोलन को कठोर बल प्रयोग से दबाने, हेलिकॉप्टर और घातक हथियारों के उपयोग, हिरासत में मौतों और मानवता-विरोधी कृत्यों जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। अदालत ने उन्हें फांसी की सजा सुनाते हुए भारत से उन्हें बंगलादेश को सौपने की मांग की है।

लेकिन सवाल यह है - क्या इन आरोपों की जांच स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से हुई? हसीना का भी आरोप है कि यह ट्रायल एक 'कंगारू कोर्ट' में हुआ—जहाँ न्याय का स्वरूप केवल दिखावा था और परिणाम पहले से तय। उनका दावा है कि उन्हें अपने वकील चुनने का अधिकार नहीं मिला, ट्रायल उनकी अनुपस्थिति में चला और गवाहों पर दबाव डाला गया। यदि ये आरोप सच हैं तो यह मामला केवल एक नेता का नहीं बल्कि बांग्लादेशी लोकतंत्र की संस्थागत मृत्यु का भी संकेत है।

कट्टरपंथ की छाया और सत्ता संघर्ष में बांग्लादेश की राजनीति लंबे समय से दो ध्रूवों—अवामी लीग और बीएनपी/जमाते-इस्लामी के बीच फंसी रही है। लेकिन हाल के वर्षों में यह राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कट्टर धार्मिक और उग्र राष्ट्रवादी सोच से बदल गई है। जैसे ही हसीना सत्ता से बाहर हुईं, कट्टरपंथी समूह और उग्र गुट तेजी से सक्रिय हो गए।धार्मिक चरमपंथ, भीड़ हिंसा, हिंदू-इसाइयों पर हमले और सेना के प्रभाव में लिप्त राजनीति ने वहां एक ऐसा अस्थिर वातावरण बना दिया है, जो किसी भी सभ्य राष्ट्र के लिए विनाशकारी होता है। जब लोकतंत्र कमजोर पड़ता है, तो सबसे पहले कट्टरपंथ ही उसे निगलता है। आज बांग्लादेश भी उसी खतरनाक मोड़ पर खड़ा है।

भारत में शरण शेख हसीना का भारत में राजनीतिक शरण लेना इस बात का प्रतीक है कि उन्हें अपने ही देश के न्याय और सुरक्षा पर भरोसा नहीं था।

अब बांग्लादेश उनके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है, लेकिन भारतीय कानून 'राजनीतिक शरण' की स्थिति में प्रत्यर्पण की अनुमति नहीं देता। यह भारत के लिए केवल एक कानूनी प्रश्न नहीं है। यह पड़ोस में स्थिरता, मानवाधिकार और दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक संतुलन का मुद्दा भी है। भारत इसे राजनीतिक प्रतिशोध ही मानेगा। हसीना का प्रत्यर्पण लगभग असंभव है।

विघटन की पृष्ठभूमि

बांग्लादेश पहले ही गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। बेरोजगारी, निर्यात में गिरावट, कपड़ा उद्योग का पतन,विदेशी निवेश का पलायन, बढ़ता विदेशी कर्ज, प्रशासनिक अराजकता। उसकी अपने पड़ौसी पाकिस्तान की तरह ही नियती बनती जा रहे हैं, जिससे उसने पिछले दिनों गलबहियां की थीं। जब राजनीतिक अराजकता, न्यायिक अविश्वास और आर्थिक पतन एक साथ आते हैं, तो इतिहास गवाह है कि राष्ट्र बड़े संकटों की ओर बढ़ते हैं। सीरिया, सूडान और लीबिया की मिसालें सामने हैं।आज बांग्लादेश भी उसी दिशा में बढ़ता दिखता है।

राष्ट्र भू-भाग से नहीं, बल्कि अपने राजनीतिक और सामाजिक अस्तित्व से मिटते हैं। जब न्याय राजनीति की दासी बन जाए,जब कट्टरपंथ शासन पर हावी हो जाए, जब सत्ता प्रतिशोध का माध्यम बन जाए।

बांग्लादेश अभी भी सही दिशा में लौट सकता है, पर इसके लिए न्यायिक सुधार,राजनीतिक सहमति, कट्टरपंथ पर कठोर नियंत्रण,अंतरराष्ट्रीय निगरानी अनिवार्य है।

लेकिन लम्बे समय तक विदेश में रहे सरकार के सलाहकार मोहम्मद युनूस तो एक खास एजेन्डा लेकर आए हैं। लगता है वे काम तमाम ही करेंगे। शेख हसीना का मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं —यह बांग्लादेश के भविष्य, उसके लोकतंत्र और उसके अस्तित्व से भी जुड़ा है।

यदि प्रतिशोध, कट्टरपंथ और न्यायिक दमन ऐसे ही जारी रहे, तो बांग्लादेश का गर्त में जाना केवल संभावना ही नहीं, बल्कि अनिवार्य परिणाम हो सकता है। बांग्लादेश के लोग इस खतरे को गंभीरता से लें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

Siddharth Chatur
Director
98290-41166

Siddhant Chatur
Director
96021-31131

Shreyans Chatur
Director
98299-60010

COMFORT
TRAVELS & TOURS

One Stop Shop For:

■ Air Tickets ■ Holiday Packages ■ Hotel Bookings
■ Visa Services ■ Car Rentals ■ Royal Weddings
■ Conferences ■ Meetings

Head Office
104-107, "AKRUTI", 4-New Fatehpura, Opp. Saheliyon Ki Badi, Udaipur 313 004
Tel.: +91-9829794669, 91-9829594662
E-mail: itkt@comforttours.com packages.udr@comforttours.com

IATA
TAFI TRAVEL AGENTS FEDERATION OF INDIA
TAAI
UFTAA

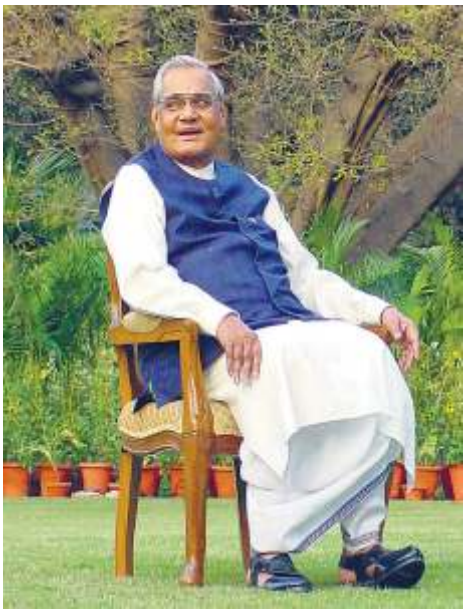

भारतीय राजनीति के शलाका पुरुष

अटल बिहारी

भारतीय राजनीति में अटल बिहारी वाजपेयी एक ऐसे नेता हुए हैं जिनकी तारीफ विरोधी भी करते थे। पं. जवाहरलाल नेहरू भी उनके प्रशंसकों में से एक थे। लोकप्रिय हो जाने के सहज गुण और सभाओं में समां बांध देने की अपनी विशेष शैली वाले अटल जी शायद राजनीति के लिए ही बने थे। वे एक जटिल राजनीतिक व्यक्तित्व जरूर थे, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि उनकी विश्व-दृष्टि ने वर्तमान के भारत को गढ़ने का मार्ग प्रशस्त किया। प्रस्तुत है, उनकी जन्म-जयंती (25 दिसंबर) पर विशेष आलेख।

अवधेश कुमार

अटलबिहारी वाजपेयी की पूरी जीवन यात्रा के मूल्यांकन के लिए कुछ आधार हैं। उनको भारतीय राजनीति का शलाका पुरुष मानने वाले बिल्कुल सही हैं। राजनीति में इतना लंबा दौर गुजारने के बावजूद वैचारिक प्रतिबद्धता रखते हुए, घोर विरोधियों के प्रति भी बिल्कुल उदार आचरण एवं उसे जीवन भर कायम रखना तथा किसी से निजी कटुता न होना सामान्य बात नहीं है। वस्तुत: आजादी के दौर के राजनेताओं में राष्ट्रीय राजनीति में वे अंतिम व्यक्ति बच गए थे। इसका असर उनकी सोच एवं व्यवहार पर था। हालांकि वो एक विशेष विचारधारा के प्रतिनिधि थे, लेकिन राजनीति को देखने का उनका दृष्टिकोण आजादी के दौरान भारत के बारे में देखे गए सपने से निर्धारित था। आजादी के बाद जिन महापुरुषों के साथ उनको काम करने का अवसर मिला उन सबका भी असर उन पर था। 1947 से लेकर लंबे समय तक देश में जो घटनाएं घटीं, भारत के सामने जो संकट और चुनौतियां आईं, उनसे निपटने के लिए तब के हमारे नेतृत्व ने जो कुछ किया उन सबका गहरा असर अटल जी के मनोमस्तिष्क पर पड़ा। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जम्मू कश्मीर यात्रा के समय वो उनके साथ थे। संघ का प्रचारक बनने के बाद उन्होंने राष्ट्रधर्म पत्रिका से लेकर पांचजन्य, स्वदेश और वीर अर्जुन जैसे पत्रों का संपादन करने के दायित्व का निर्वाह किया।

1957 में पहली बार लोकसभा पहुंचने के बाद उनके भाषणों को देख लीजिए, उसमें जनसंघ की विचारधारा के अनुसार घटनाओं पर टिप्पणियां हैं, संघ के गीतों और उनकी कविताओं की पंक्तियां हैं, किंतु कहीं भी पं. जवाहरलाल नेहरु या उनके साथियों के प्रति एक शब्द भी ऐसा नहीं है जिसे उनके सम्मान को कम करने वाला कहा जाए। उस समय कश्मीर से

लेकर पाकिस्तान, तिब्बत, केरल में राष्ट्रपति शासन... आदि ऐसे अनेक मुद्दे थे जिन पर जनसंघ और कांग्रेस के बीच सहमति नहीं हो सकती थी। किंतु संसदीय लोकतांत्रिक राजनीति की मर्यादाओं का उन्होंने पूरा पालन किया। 1962 के युद्ध के समय जनसंघ के सारे प्रमुख नेताओं के साथ मिलकर वाजपेयी जी ने सरकार का साथ देने तथा कार्यकर्ताओं को देशभर में जितनी शक्ति हो उसके अनुसार सरकारी मशीनरी का सहयोग करने का निर्णय किया। इसी का परिणाम था कि संघ के स्वयंसेवकों ने दिल्ली सहित कई शहरों की यातायात व्यवस्था में सहयोग किया।

पं. नेहरु अटल जी का बहुत स्नेह के साथ आदर करते थे। बकौल अटल जी एक बार उन्होंने लोकसभा में कांग्रेस और नेहरु सरकार की नीतियों पर तीखा हमला किया। शाम को एक कार्यक्रम में नेहरु जी ने उनको देखा और कहा कि आज तो आपका बहुत अच्छा भाषण था। यह जो उदार व्यवहार था नेहरु जो का उसका असर न हो ऐसा कैसे हो सकता है। 1971 में बांग्लादेश मुक्ति युद्ध के समय अटल जी पूरी तरह सरकार के साथ खड़े थे। यहां तक कि आपातकाल में उन्हें जेल जाना पड़ा। उस दौरान भी उन्होंने जो कविताएं लिखीं उनमें शासन की आलोचना तो है पर इन्दिरा जी पर कोई सीधी निजी तीखी टिप्पणी नहीं। वाजपेयी जी के राजनीति काल में वह समय भी आया जब 1977 में उन्हें फैसला करना था कि जनसंघ अलग होकर चुनाव लड़ेगा, गठबंधन में शामिल होगा या फिर पार्टी का विलय कर दिया जाए। उस समय लालकृष्ण आडवाणी जनसंघ के अध्यक्ष थे। किंतु वाजपेयी जी के प्रभाव से ही यह संभव हुआ कि जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हो गया। संघ के नेता भी वाजपेयी जी के कारण ही इसके लिए तैयार हुए। जनता सरकार के दौरान विदेश मंत्री के रुप में चीन और पाकिस्तान से संबंध सुधारने की उनकी कोशिश पर लोगों को आश्चर्य हुआ, क्योंकि आम धारणा

अटलबिहारी वाजपेयी की पूरी जीवन यात्रा के मूल्यांकन के लिए कुछ आधार हैं। उनको भारतीय राजनीति का शलाका पुरुष मानने वाले बिल्कुल सही हैं। राजनीति में इतना लंबा दौर गुजारने के बावजूद वैचारिक प्रतिबद्धता रखते हुए, घोर विरोधियों के प्रति भी बिल्कुल उदार आचरण एवं उसे जीवन भर कायम रखना तथा किसी से निजी कटुता न होना सामान्य बात नहीं है। वस्तुत: आजादी के दौर के राजनेताओं में राष्ट्रीय राजनीति में वे अंतिम व्यक्ति बच गए थे। इसका असर उनकी सोच एवं व्यवहार पर था। हालांकि वो एक विशेष विचारधारा के प्रतिनिधि थे, लेकिन राजनीति को देखने का उनका दृष्टिकोण आजादी के दौरान भारत के बारे में देखे गए सपने से निर्धारित था। आजादी के बाद जिन महापुरुषों के साथ उनको काम करने का अवसर मिला उन सबका भी असर उन पर था। 1947 से लेकर लंबे समय तक देश में जो घटनाएं घटीं, भारत के सामने जो संकट और चुनौतियां आईं, उनसे निपटने के लिए तब के हमारे नेतृत्व ने जो कुछ किया उन सबका गहरा असर अटल जी के मनोमस्तिष्क पर पड़ा। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी की जम्मू कश्मीर यात्रा के समय वो उनके साथ थे। संघ का प्रचारक बनने के बाद उन्होंने राष्ट्रधर्म पत्रिका से लेकर पांचजन्य, स्वदेश और वीर अर्जुन जैसे पत्रों का संपादन करने के दायित्व का निर्वाह किया।

1957 में पहली बार लोकसभा पहुंचने के बाद उनके भाषणों को देख लीजिए, उसमें जनसंघ की विचारधारा के अनुसार घटनाओं पर टिप्पणियां हैं, संघ के गीतों और उनकी कविताओं की पंक्तियां हैं, किंतु कहीं भी पं. जवाहरलाल नेहरु या उनके साथियों के प्रति एक शब्द भी ऐसा नहीं है जिसे उनके सम्मान

घरों में पैदा हो रही पांच हजार मेगावाट और ऊर्जा - रिवर्स

नई दिल्ली। देश में एक साल पहले शुरू हुई सूर्य घर योजना अब सफल होती दिखाई दे रही है। घरों में अब लगभग पांच हजार मेगावाट हरित ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना (पीएमएसजीवाई) ने आवासीय रूफटॉप सोलर सेक्टर को नई दिशा दी है। लॉन्च के मात्र एक वर्ष में 4,946 मेगावाट की क्षमता स्थापित की जा चुकी है, जबकि अब तक 9,280 करोड़ रुपये की सब्सिडी जारी हो चुकी है। आईईईएफए और जेएमके रिसर्च की नई रिपोर्ट बताती है कि जुलाई 2025 तक 57.9 लाख घरों ने रूफटॉप सोलर के लिए आवेदन किया है। यह मार्च 2024 की तुलना में चार गुना अधिक है।

गुजरात और केरल आगे

रिपोर्ट में कहा गया है कि गुजरात और केरल इस दौड़ में सबसे आगे हैं। दोनों राज्यों का कन्वर्जन रेशियो 65प्र.श. से अधिक है। यानी जिन घरों ने आवेदन किया, उनमें से दो–तिहाई घरों पर सोलर पैनल लग चुके हैं।

दिल्ली, यूपी, उत्तराखंड में ज्यादा मदद

केंद्र की सब्सिडी के साथ–साथ कई राज्य सरकारें भी अब अतिरिक्त मदद दे रही हैं। असम, दिल्ली, गोवा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों ने पूंजीगत सब्सिडी शुरू की है ताकि शुरुआती इंस्टॉलेशन लागत कम की जा सके।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

HOTEL VENKTESH

A Place of Royal Hospitality

For Booking Contact :
098873 88428, 088758 58584

2/5, Dholi Magri, Shivaji Nagar, Nr. Railway Station, Udaipur (Raj.)
Ph. : 0294-2481083, E-mail : hotelvenkteshudr@gmail.com

वैर से मुक्त, प्रेम से भरपूर ईसा मसीह

सरलता और निश्छलता के ताने-बाने से बुना हुआ विश्वसनीयता का वस्त्र है प्रेम, जिसे ईसा धारण करते हैं। वे पवित्रता की पोथी हैं। सदाशयता की टकसाल में ढला सौहार्द्र का सिक्का हैं। ईसा मसीह वैर से मुक्त और प्रेम-क्षमता से युक्त हैं।

अजहर हाशमी

ईसा मसीह का पूरा जीवन करुणा का ग्रंथ है। करुणा के ग्रंथों में क्षमा की शब्दावली में लिखित प्रेम के पाठ होते हैं, जो दुनिया को सहनशीलता और सद्भाव का संदेश देते हैं। इसको यूं भी कहा जा सकता है कि करुणा की आपादमस्तक प्रतिमूर्ति हैं ईसा मसीह, जो हर प्रकार के वैर से मुक्त और प्रेम-क्षमता से युक्त हैं। तभी तो सलीब ढोते और सलीब पर लगी कीलों से लहूलुहान होने के बावजूद वे कहते हैं-**'ईश्वर, इन्हें क्षमा कर देना, ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं!'**

ईसा के पवित्र मुख से निकले हुए ये शब्द करुणा की पराकाष्ठा तो हैं ही, अ-वैर की अनुगूंज भी हैं। अगर करुणा को समझ लिया जाए, तो ईसा मसीह को भी समझा जा सकता है। मानवता, प्रेम और क्षमा को भी समझ लेंगे। शांति की महिमा को समझते ही कलह-क्लेश से दूर, यानी युद्ध से दूर हो जाएंगे अर्थात सद्भाव से भरपूर हो जाएंगे। हमारे पांव में अगर एक कांटा भी लग जाता है, तो उसकी चुभन से उठने वाली टीस से हम कराह उठते हैं। सोचिए, करुणा के प्रतीक ईसा मसीह की उस स्थिति के बारे में कि कांटों और कीलों की चुभन को सहने के

बावजूद उनके मुख से आह-कराह नहीं निकली, बल्कि प्रेम से ओतप्रोत क्षमा वाणी उद्गारित हुई।

सलीब पर चढ़े हुए ईसा मसीह किसी को कोस नहीं रहे, किसी को बद्दुआएं नहीं दे रहे, किसी की बुराई नहीं कर रहे हैं। उनकी वाणी में किसी के प्रति शिकायत नहीं, वह किसी को शाप नहीं दे रहे हैं, बल्कि प्रेमपूर्वक क्षमा कर रहे हैं। करुणा से पूरित हृदय का उल्लेखनीय उदाहरण हैं ईसा मसीह। सरलता और निश्छलता के ताने-बाने से बुना हुआ विश्वसनीयता का वस्त्र हैं प्रेम, पवित्रता की पोथी है। सदाशयता की टकसाल में ढला हुआ सौहार्द्र का सिक्का है प्रेम। प्रेम अर्थात अपनत्व का अभियान। प्रेम, अर्थात सद्भाव की सुगंध। प्रेम अर्थात सहिष्णुता से संबंध। प्रेम, अर्थात पावनता का प्रवाह। प्रेम अर्थात नैतिकता का निर्वाह। प्रेम अर्थात क्षमा वीरस्य भूषणम्। प्रेम अर्थात वसुधैव कुटुंम्बकम। ईसा मसीह प्रेम के इसी अर्थ को तो अभिव्यक्त करते हैं।

ईसा मसीह ने दुनिया को सिखाया कि प्रेम अगर हृदय है, तो क्षमा इसी हृदय की धड़कन है। क्षमा की पाठशाला में ही प्रेम का पाठ संभव है। अहंकार और प्रेम तो साथ रह ही नहीं सकते। अहंकार की आग को प्रेम का पानी बुझा देता है। ईसा मसीह प्रेम के पानी का प्रवाह भी हैं और क्षमा की शक्ति का निर्वाह भी। इसीलिए तो वह करुणा के ग्रंथ हैं। उनके लिए करुणा होठों का उच्चारण नहीं, आत्मा का आचरण है।

Madanlal Chaanra
#92144 53304

MOTOROLA
Dealers : 2-Way Radios

Mobile Communications
WIRELESS ENGINEERS (Free Warranty Services)

243/17, "Nundee", Ashok Nagar, (Maya Misthan)
Opp. Vigyan Samiti, UDAIPUR-313001 (Raj.)
Ph. : 0294-2420455 E-mail : mobcom@gmail.com

Ministry of Communicaions & IT Lic. No. AJR/DPL/04/2000
PAN# : ADJPC3852C TIN #08164003800

With Best Compliments

Sunil Jain, Director
96020 96414
94149 76433

PALLAV
AYURVEDA & MUKHWAS

All kinds of Ayurvedic,
Unani Medicine
& Mouth Freshener
Suppliers

PALLAV PHARMA

G- 09, SMB Plaza, DelhiGate, Udaipur 313 001
Tel.: 0294-2423414, email: suniljains511@gmail.com

नई मतदाता सूचियों का दूसरा चरण

9 दिसम्बर को अस्थाई व 7 फरवरी जारी होंगी अंतिम सूचियां

अमित शर्मा

भारत निर्वाचन आयोग ने देशभर में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरु कर दी है। इसके तहत बिहार में चुनाव से पूर्व इस प्रक्रिया को पूरा कर लिया गया जबकि इसके दूसरे चरण में 26 अक्टूबर से 3 केन्द्र प्रशासित सहित 12 राज्यों में प्रक्रिया शुरू होकर 9 दिसम्बर को नई मतदाता सूचियों का मसौदा प्रकाशित किया जाएगा। चुनाव आयोग ने जब दूसरे चरण की एसआईआर की घोषणा (27 अक्टूबर) की थी, उसी दिन रात की 12 बजे पुरानी मतदाता सूचियां फ्रीज कर दी गईं। नौ दिसम्बर से 31 जनवरी 2026 तक नोटिस और सत्यापन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उसी दिन से 8 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएगी और पक्की मतदाता सूची 7 फरवरी को जारी कर दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ), प्रशासन द्वारा नियुक्त वालंटियर और राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के माध्यम से घर-घर जाकर मुद्रित निर्वाचक गणना प्रपत्रों का वितरण उन्हें वापस एकत्रित कर मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के पास जमा कराने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

इन राज्यों में दूसरा चरण

अंडमान-निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्यप्रदेश पुड्डुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश और पश्चिम बंगाल शामिल हैं।

51 करोड़ मतदाताओं की जांच

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के अनुसार इस गहन पुनरीक्षण महाअभियान में बारह राज्यों के करीब 51 करोड़ मतदाताओं के नाम की जांच होगी। जिसे 7 लाख से अधिक बीएलए अंजाम देंगे। जिन राज्यों में एसआईआर का काम चल रहा है,

उनमें से कई राज्यों में अगले साल विधानसभाओं के चुनाव होने हैं। अन्य शेष राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में भी एसआईआर होगा ही।

अच्छा होता कि यह काम एक निश्चित अंतराल में होता रहता। इसके पहले एसआईआर करीब दो दशक पहले किया गया था। कम से कम अब तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एसआईआर में इतना अंतराल न आने पाए, क्योंकि अब लाखों लोग नौकरी पेशे के चलते अन्यत्र चले जाते हैं। इनमें से अधिकांश वहीं बस जाते हैं। इसके अतिरिक्त यह देखने में आता है कि मृतकों के नाम तो मतदाता सूची में बने रहते हैं, लेकिन नए लोगों के नाम उसमें दर्ज नहीं हो पाते। जितना जरूरी यह है कि एक भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में स्थान न पाने पाए, उतना ही यह भी कि पात्र व्यक्ति मतदान से वंचित न होने पाए।जनप्रतिनिधित्व कानून 1950 की धारा 21 चुनाव आयोग को मतदाता सूची तैयार करने और उन्हें संशोधित करने का अधिकार देती है। यह उसका बुनियादी कर्तव्य भी है। मगर ऐसा करते हुए उसे देश के सभी राजनीतिक दलों को भरोसे में लेना चाहिए, क्योंकि वे इस पूरी प्रक्रिया के बेहद महत्वपूर्ण हितधारक हैं। दुर्योग से हालिया कुछ वर्षों में आयोग के रूख ने विवादों को भी अधिक जन्म दिया है। विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों से मिलने में आनाकानी, मतदान के बाद कइ-कई दिनों तक वोट प्रतिशत में इजाफा आसानी से लोगों के गले नहीं उतरता। तब तो और, जब हम एक डिजिटल युग में जी रहे हैं। इस अविश्वास ने ही बिहार में एसआईआर की कवायद को इतने विवादों में घसीटा और अंततः सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप की नौबत आई। जाहिर है इससे चुनाव आयोग की छवि को ही चोट पहुंची है। बहरहाल, राजनीतिक पार्टियों की भी यही महती जिम्मेदारी है कि वे सिर्फ दोषारोपण तक ही सीमित न रहें, बल्कि इस पूरी प्रक्रिया में अपनी जिम्मेदारी भी निभाएं। बेशक देश में एसआईआर पहली बार नहीं हो रहा। सन् 1951 से 2004 तक आठ बार हो चुका है, लेकिन इस बार बिहार और उसके बाद चल रही एसआईआर प्रक्रिया पर जितना विवाद हुआ है, उतना पहले कभी नहीं। चुनाव आयोग को इस तथ्य को नोटिस में लेना चाहिए।

Meenakshi
GROUP

Meenakshi
Property Dealer

1, Reti Stand, Central Area, Udaipur (Raj.)
Phone : 0294-2486213, Fax : 0294-2583701
Website : www.meenakshiproperty.com E-mail : meenakshi.property@gmail.com

प्रत्यूष

गुरु गोविंदसिंह

'सवा लाख से एक लड़ाउँ'

पंकज कुमार शर्मा

भारत वर्ष के इतिहास में जब कभी संत, कवि, शूरवीर और बलिदानी महापुरुष की एक साथ चर्चा होगी, सबों की जुबान पर एक ही नाम प्रस्फुटित होगा- दशमेश पिता गुरू गोविंद सिंह। प्राचीन पाटलिपुत्र के पटना साहिब की पावन भूमि को वह गौरव प्राप्त है, जिनकी गोद में बालक गोविंद राय का जन्म हुआ। सिख पंथ के नवम गुरु तेगबहादुर अपनी माता नानकीजी, पत्नी माता गुजरी, भाई कृपालचंद एवं अन्य दरबारियों के साथ संगत के सिलसिले में पटना पधारे हुए थे। कुछ दिन गायघाट स्थित बड़ी संगत में ठहरने के पश्चात वे बंगाल एवं ओडिशा के लिए रवाना हो गए तथा माता गुजरी एवं परिवार के अन्य सदस्य सालिस राय जौहरी के महल में रहने लगे। इस बीच विक्रमी संवत 1723 पौष माह शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को बालक गोविंद राय ने इस पवित्र धरती पर अवतार लिया। गोविंद राय के बाल्यकाल के प्रारंभिक चार वर्ष पटना में व्यतीत होने के उपरांत उनका परिवार पंजाब वापस आ गया तथा ईस्वी सन 1672 में हिमालय शिवालिक पहाड़ियों के बीच स्थित चक्क नानकी, जो अब आनंदपुर साहिब के

नाम से प्रसिद्ध है, में बस गया। यहां उनकी शिक्षा-दीक्षा प्रारंभ हुई। जब वे मात्र 9 वर्ष के थे, तब 11 नवम्बर 1675 को हिंदू धर्म की रक्षार्थ पिता गुरु तेगबहादुर ने अपना बलिदान दे दिया और अल्प आयु में 29 मार्च 1676 को वैशाखी के दिन गोविंदसिंह सिखों के दसवें गुरु घोषित हुए। मात्र 11 वर्ष की आयु में वे आनंदपुर से 10 किमी उत्तर स्थित बसंतगढ़ में जीतोजी के साथ परिणय सूत्र में बंध गए। 17 वर्ष की आयु में उनका दूसरा विवाह माता सुंदरी के साथ और 33 वर्ष की आयु में तीसरा विवाह माता साहिब देवां के साथ संपन्न हुआ। गुरुजी शस्त्र और शास्त्र दोनों को एक साथ साधने के समर्थक थे। कवि हृदय गुरुजी ने सिख समाज को विद्वत मंडली बनाने के उद्देश्य से काशी भेजा तथा संस्कृत के अनेक ग्रंथों का अनुवाद करवाया। उन्होंने न सिर्फ गुरु ग्रंथ साहिब को पूर्ण किया, वरन् दशम ग्रंथ, जाप साहिब, अकाल उस्तत, विचित्र नाटक, चंडी चरित्र, शास्त्र नाम माला, अर्थ पख्यां चरित्र लिख्यते, खालसा महिमा आदि रचनाओं का भी सृजन किया। विद्या एवं धर्म के साथ-साथ उन्होंने सशस्त्र सिख सेना संगठन तैयार किया तथा आनंदपुर में निवास की दृष्टि से सुरक्षित करने हेतु पांच किलों का निर्माण करवाया। उन्होंने सन् 1699 में वैशाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना की तथा खालसा वाणी वाहे गुरुजी का खालसा, वाहे गुरुजी की फतह का शंखनाद दिया।

एक वैद्य गुरु गोविंद सिंह के दर्शन करने के लिए आनंदपुर गए। वहां गुरुजी ने उनसे कहा कि जाओ और जरूरतमंदों की सेवा करो। वापस आकर वह रोगियों की सेवा में जुट गए। शीघ्र ही वह पूरे शहर में प्रसिद्ध हो गए। एक बार गुरु गोविंदसिंह स्वयं उनके घर पधारे। वह बहुत प्रसन्न हुए, लेकिन गुरुजी ने कहा कि वे कुछ देर ही ठहरेंगे। तभी एक व्यक्ति आया और बोला, वैद्यजी मेरी पत्नी की तबीयत बहुत खराब है। जल्दी चलिए अन्यथा बहुत देर हो जाएगी। वैद्यजी असमंजस में पड़ गए। एक ओर गुरु थे, जो पहली बार उनके घर आए थे। दूसरी ओर एक पीड़ित था। अंततः वैद्यजी ने कर्म को प्रधानता दी और इलाज के लिए चले गए। लगभग दो घंटे के इलाज और देखभाल के बाद रोगी की हालत में सुधार हुआ। तब वे वहां से चले। उदास मन से उन्होंने सोचा कि गुरुजी के पास समय नहीं था। अब तक तो वे चले गए होंगे फिर भी वे भागते हुए घर पहुंचे। वहां उन्हें घोर आश्चर्य हुआ। गुरुजी बैठे उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। वैद्यजी उनके चरणों पर गिर पड़े। गुरु गोविंदसिंह जी ने उन्हें गले से लगा लिया और कहा तुम मेरे सच्चे शिष्य हो। सबसे बड़ा धर्म जरुरतमंदों की मदद करना ही है।

ੴ "एक ओंकार सत् गुरू परसाद"
घलै आवे नानका सदे उठी जावे

श्रद्धांजलि

स्वर्गवास- 5 दिसम्बर, 2013

स्व. सरदार जोगिन्दर सिंह सोनी

सुपुत्र स्व. सरदार अमरीक सिंह सोनी

"आपकी यादें, आपका आभास, आपका विश्वास,
सबकुछ है हमारे पास, आपके अहसासों में।
आप तो हर पल बसे हुए हैं दिल की धड़कन में,
भीगी पलकों में.... परिवार की सासों में।।"

श्रद्धावनत्: स. गुरूप्रीत सिंह सोनी-सोनिया **(पुत्र-पुत्रवधू)**, सूरज, सागर **(पौत्र)**, चान्दनी **(पौत्री)**, स्वीटी-आर.एस. बग्गा, प्रेटी-खुशबीर सिंह, फेरी-आज्ञापाल सिंह, रीना-जसपाल सिंह **(पुत्री-दामाद)**, स. परमजीत सिंह-कमलजीत कौर **(साला-सलहज)** एवं **समस्त सोनी परिवार।**

'सूचना का अधिकार' को 20 साल सवाल जानकारी मांगने वालों की सुरक्षा का?

बाबूलाल नागा

100 से अधिक आरटीआई कार्यकर्ता और यूजर्स ने सूचना के अधिकार के लिए लड़ते हुए 2011 के बाद से अपनी जिंदगी गंवा दी। कम भ्रष्ट सरकार और नैतिकता वाले समाज की चाह रखने वाले कई लोगों पर देश भर में हमले हुए।

12 अक्टूबर, 2005 में पारित सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, भारत के लोकतांत्रिक विकास में एक ऐतिहासिक क्षण था। इसने सार्वजनिक प्राधिकरणों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना तक पहुंच के नागरिकों के अधिकार की औपचारिक स्वीकृति को चिह्नित किया। आरटीआई, आम नागरिकों की पारदर्शिता, जवाबदेही और सशक्तिकरण की दीर्घकालिक मांग का परिणाम था। आरटीआई अधिनियम की सबसे प्रमुख उपलब्धियों में से एक सरकारी कामकाज में पारदर्शिता में वृद्धि रही है। निर्णय लेने की प्रक्रिया से लेकर सार्वजनिक धन के आवंटन तक, इस अधिनियम ने यह सुनिश्चित किया है कि नागरिकों की महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुंच हो। इसने विभिन्न सरकारी क्षेत्रों में अक्षमताओं, अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को उजागर किया है, जिससे नौकरशाह और सरकारी अधिकारी अपने कार्यों और निर्णयों के प्रति अधिक सतर्क हो गए हैं। चूंकि इस अधिनियम को दो दशक पूरे हुए हैं इसलिए इसकी महत्वपूर्ण उपलब्धियों के साथ-साथ आरटीआई का उपयोग करने पर आरटीआई कार्यकर्ताओं के सामने आई चुनौतियों पर भी विचार करना उचित होगा। पिछले दो दशक में, भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए आरटीआई का इस्तेमाल करने वाले कई आरटीआई कार्यकर्ताओं को धमकी, उत्पीड़न और यहां तक कि हिंसा का सामना करना पड़ा है। कुछ लोगों की जान चली गई है। आरटीआई कार्यकर्त्ता की सुरक्षा के लिए एक मजबूत तंत्र की आवश्यकता है।

देश में तमाम छोटी-छोटी जगहों पर काम करने वाले आरटीआई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सूचना के अधिकार कानून को भ्रष्टाचार और प्रशासन से लड़ने का एक मजबूत हथियार बनाया है लेकिन कई खतरों का सामना भी करना पड़ रहा है। सूचना के अधिकार आंदोलन से जुड़े सामाजिक कार्यकर्ताओं की आवाज दबाने की कोशिशें हो रही हैं। इस कानून में सच्चाई जानने की मांग करने वालों को धमकियां मिल रही हैं। देश भर में आरटीआई आवेदकों के उत्पीड़न और हत्या के मामले बढ़ रहे हैं।

उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना सबसे बड़ी चुनौती है। गैर-सरकारी संगठन ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया (टीआईआई) ने ''राज्य पारदर्शिता रिपोर्ट 2021'' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा था कि पिछले 15-16 वर्षों में कम से कम 95-100 आरटीआई आवेदकों की हत्या कर दी गई, जबकि 190 अन्य पर हमला किया गया, जबकि दर्जनों ने आत्महत्या कर ली। नैतिक शासन की मांग करने वाले आरटीआई और अन्य कार्यकर्ता खतरों से जूझ रहे हैं, सिर्फ इसलिए नहीं कि उन्होंने सरकार में भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया है बल्कि इसलिए क्योंकि वे क्रांति के अगुआ हैं क्योंकि वे भागीदारी वाले लोकतंत्र में सत्ता के हस्तांतरण की मांग करते हैं, जहां प्रत्येक व्यक्ति सर्वेसर्वा हो। इस सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में उन लोगों की रक्षा करना जरूरी है, जो सत्ता से हमेशा सच बोलने को तैयार हैं। आरटीआई अधिनियम की धारा 4 संबंधित अधिकारियों पर दायित्व डालती है कि वह सरकार के कामकाज से संबंधित सभी जानकारियों को सार्वजनिक तौर पर प्रदान करे और अपनी वेबसाइट पर भी पोस्ट करें।

जब किसी आरटीआई कार्यकर्ता पर हमला किया जाता है तो सूचना आयोग को उस व्यक्ति द्वारा मांगी गई सभी जानकारियों को अपनी वेबसाइट पर अपलोड करना चाहिए। अगर हमलावरों को यह पता होगा कि इस तरह के हमले करने से सूचनाएं दबेंगी नहीं बल्कि और बढ़ेगी तो कुछ हद तक हिंसा को कम किया जा सकता है। आरटीआई कार्यकर्ताओं की सुरक्षा बड़ी चुनौती है विशेष रूप से भारत जैसे देश में। आरटीआई एक्ट ने प्रत्येक आरटीआई यूजर को संभावित ह्विसिलब्लोवर में तब्दील कर दिया है और इनमें से प्रत्येक को सुरक्षा देना या उनकी सुरक्षा के लिए उन्हें गुमनामी में रखना लगभग असंभव काम है। इस तरह के लक्षित हमलों को रोकने के लिए नए तरीकों पर विचार करने की जरूरत है। बहरहाल, सूचना के अधिकार पर काम कर ये सामाजिक कार्यकर्ता गरीब और जरूरतमंदों को हक दिला रहे हैं। कोई व्यक्ति सिर्फ अपने हितों की खातिर ही नहीं बल्कि दूसरे के हक के लिए लड़ रहा है। ऐसे में सूचना मांगने वाले कार्यकर्ताओं पर हमलों की खबरें परेशान करने वाली हैं। ऐसा नहीं है कि सरकार आरटीआई कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न, उन पर होने वाले हमलों और उनकी हत्याओं से अनजान हैं। ऐसे में जरूरत है प्रभावी व्हिसल ब्लोअर कानून की। सरकार को इस सिलसिले में ठोस और सार्थक पहल करनी होगी।

(लेखक भारत अपडेट के संपादक हैं, ये इनके निजी विचार हैं)

R.K. Carriers India Pvt Ltd.

Director

IAS ACCREDITED Management Systems Certification Body MSCB - 119

AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COMPANY

INTERNATIONAL ACCREDITATION FORUM IAF

MATERIAL HANDLING
TRANSPORT
MINERAL PROCESSING
EXCAVATION MINING

Regd. Office: 40, Laxmi Nagar, Near Sub-City Center,
Sec. 8, Hiran Magri, Udaipur (Raj.) India-313001
Tel.: +91-294-2486274, +91-294-2483638, Fax : 0294-2483830
website: rkcarriers.com, E-mail: info@rkcarriers.com, accounts@rkcarriers.com

प्रत्यूष

प्रत्यूष

जिद ने लिखी जीत की कहानी

भारत की बेटियों के सिर विश्व विजेता का ताज

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 2 नवम्बर को वनडे वर्ल्ड कप 2025 का खिताब जीत कर इतिहास रच दिया। सेमीफाइनल में आस्ट्रेलिया को हराने के बाद फाइनल में द. अफ्रीका को 52 रन से पराजित कर 52 वर्ष से जारी आईसीसी महिला ट्राफी का सूखा खत्म किया। यह ऐतिहासिक जीत टीम को 'मैं' नहीं बल्कि 'हम' वाले एफर्ट ने दिलाई। इसमें हर खिलाड़ी का बेहतर योगदान रहा। भारतीय टीम ने आठ में से 5 मैच जीते, लेकिन लगातार तीन हार के बाद भी उसने जीत का जो डंका बजाया, उसकी गूंज पूरी दुनिया ने सुनी।

अभिजय शर्मा

कहते हैं ना जिस चीज को शिद्दत से पाने की कोशिश करो तो पूरी कायनात भी उस दिलाने में लग जाती है। भारत की महिला क्रिकेट टीम ने पूरी शिद्दत से विश्व कप ट्रॉफी पाने के लिए जो मेहनत की थी वह रंग लाई। मुम्बई के डीवाई पाटील स्टेडियम में 2 नवम्बर को खेले गए आइसीसी वनडे विश्व कप के खिताबी मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हराकर पूरे देश को जश्न मनाने का एक और मौका दे दिया। इस उपलब्धि के लिए टीम पर पुरस्कारों की बारिश अब भी जारी है। 19 नवम्बर 2023 को पुरुष वनडे विश्व कप में भारतीय टीम की फाइनल में हार से पूरे देश का दिल टूट गया था, एक साल 11 महीने बाद महिला टीम ने उस दर्द पर मरहम का काम किया है। भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 298 रन बनाए, जवाब में द. अफ्रीका 45.3 ओवर में 246 रन पर ढेर हो गई। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने क्रमशः राष्ट्रपति भवन व प्रधानमंत्री आवास में आमंत्रित कर टीम को इस शानदार एवं यादगार जीत पर बधाई दी।

आईसीसी इनामी राशि का ब्योरा

श्रेणी	इनामी राशि (डॉलर में)	भारतीय रुपए में अनुमानित राशि
विजेता टीम (भारत)	44.38 मिलियन	39.55 करोड़
उपविजेता टीम (द. अफ्रीका)	2.24 मिलियन	19.77 करोड़
सेमीफाइनल हारने वाले टीमें	1.12 मिलियन	9.89 करोड़
ग्रुप स्टेज जीत	34,314 (प्रति मैच)	30.29 लाख
5वां और 6ठा स्थान	0.7 मिलियन (प्रत्येक)	62 लाख
7वां और 8वा स्थान	0.28 मिलियन (प्रत्येक)	24.71 लाख
सभी भाग लेने वाली टीमें	0.25 मिलियन (प्रत्येक)	22 लाख

हमारा दबदबा: पूरे टूर्नामेंट में छाई रहीं भारतीय बैटर्स, बॉलर्स और फील्डर्स

सर्वाधिक रन के मामले में दूसरे स्थान पर रहीं स्मृति

571 लॉरा वोल्वार्टः द. अफ्रीका
434 स्मृति मंधानाः भारत
328 एश्ले गार्डनर, ऑस्ट्रेलिया

सर्वाधिक विकेट दीप्ति के नाम

22 दीप्ति शर्मा
17 एनाबेल सदरलैंड
16 सोफी एक्लेस्टोन

स्मृति ने लपके सर्वाधिक कैच

08 स्मृति मंधाना
08 सूजी बेट्स
16 लॉरा वोल्वार्ट

जेमिमा के नाम तीसरी बड़ी पारी

169 लॉरा वोल्वार्ट, द. अफ्रीका
142 एलिसा हीली, ऑस्ट्रेलिया
127* जेमिमा रोड्रिग्स, भारत

2 बड़े स्कोर भारत के रहे
341/5 भारत–ऑस्ट्रेलिया
340/3 भारत–न्यूजीलैंड
338 ऑस्ट्रेलिया–भारत

25 साल बाद नई चैंपियन मिली

महिला वन डे वर्ल्ड कप की शुरुआत 52 साल पहले 1973 में हुई थी। तब भारत ने हिस्सा नहीं लिया था। 1978 में महिला टीम ने डायना एडल्जी की कप्तानी में पहली बार टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। तब से टीम को पहला टाइटल जीतने में 47 साल लग गए। 2005 में टीम इंडिया पहली बार फाइनल में पहुंची, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से हार गई। 2017 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को ही सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में एंट्री की, लेकिन इंग्लैंड ने फाइनल में हरा दिया। 2025 में टीम ने फिर एक बार ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में हराया, लेकिन इस बार फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर ट्रॉफी जीत ली। इंडिया महिला सीनियर टीम की यह किसी भी फार्मेट में पहली आईसीसी ट्रॉफी रही। टीम एक बार टी–20 वर्ल्ड कप के फाइनल में हार चुकी है। महिला वनडे वर्ल्ड कप में 25 साल बाद कोई नई टीम चैंपियन बनी। 2000 में आखिरी बार न्यूजीलैंड ने खिताब जीता था। इनके अलावा 7 बार ऑस्ट्रेलिया और 4 बार इंग्लैंड ही चैंपियन बनी।

युवा पीढ़ी को समर्पित जीतः हरमन

विश्व चैंपियन बनने के बाद कतान हरमनप्रीत कौर और उनकी साथी खिलाड़ियों के चेहरे पर खुशी और सुकून झलक रहा था। कप्तान हरमनप्रीत ने कहा जिस तरह से 1983 विश्व कप (पुरूष) में मिली जीत के बाद देश में क्रिकेट को लेकर माहौल बदला था, उसी तरह से ये खिताबी जीत महिला क्रिकेट के लिए रामबाण साबित होगी। टीम कई साल से अच्छा प्रदर्शन तो कर रही थी, लेकिन ट्रॉफी नहीं जीत पा रही थी। हमने आखिर उस इंतजार को खत्म किया और ये जीत युवा लड़कियों को इस खेल में आगे बढ़ने की प्रेरणा देगी।

भारत का 15वां आईसीसी खिताब

टीम इंडिया ने सीनियर और अंडर 19 लेवल पर 15वां आईसीसी टाइटल जीता। मेंस टीम 2 वनडे वर्ल्ड कप, 2 टी–20 वर्ल्ड कप और 3 चैंपियंस ट्रॉफी जीत चुकी है। वहीं अंडर 19 लेवल पर मेंस टीम ने 5 और महिला टीम ने 2 वर्ल्ड कप जीते। अब महिला सीनियर टीम ने वनडे वर्ल्ड कप के रूप में अपना पहला आईसीसी टाइटल जीता और भारत को 15वीं आईसीसी ट्रॉफी दिला दी। भारत अब बस ऑस्ट्रेलिया से पीछे है, जिसने 27 आईसीसी टाइटल जीते हैं।

बीसीसीआई ने दिए 51 करोड़

बीसीसीआई ने खिताब जीते वाली भारतीय महिला टीम के लिए 51 करोड़ रुपए के नकद इनाम की घोषणा की। यह रकम खिलाड़ियों, सेलेक्टर्स के साथ–साथ कोच अमोल मजूमदार के सपोर्ट स्टाफ को भी मिलेगी।

प्लेयर ऑफ द मैच- शेफाली

87 रन 02 विकेट

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा तुरुप का पत्ता साबित हुईं। शेफाली ने 78 गेंदों में सात चौकों और दो छक्कों के साथ 87 रन की पारी खेली और दो विकेट भी लिए। शेफाली पहले विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं थीं। उन्हें प्रतिका के चोटिल होने पर फाइनल में शामिल किया गया।

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंटः दीप्ति

215 रन 22 विकेट

गेंदबाजी में दीप्ति शर्माने कमाल किया। उन्होंने 9.3 ओवर में केवल 39 रन देकर 5 विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका कप्तान लॉरा वॉलवॉर्ट को भी उन्होंने ही आउट किया, जिन्होंने 101 रन की शतकीय पारी के दौरान टीम इंडिया की मुश्किल बढ़ाई हुई थी।

प्रत्यूष

राजस्थान विद्यापीठ का 21वां दीक्षांत समारोह

समाजसेवा से ही सार्थक शिक्षा: प्रो. अरोड़ा

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय का 21वां दीक्षांत समारोह गत दिनों प्रतापनगर स्थित महाराणा प्रताप खेल मैदान पर हुआ। समारोह में 120 पीएचडी धारकों को उपाधियां तथा वर्ष 2024-25 में स्नातक तथा स्नातकोत्तर परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 48 विद्यार्थियों को उपाधि एवं स्वर्ण पदक दिए। 80पीएचडी उपाधियां एवं 34 गोल्ड मेडल बेटियों के नाम रहे। मुख्य अतिथि एनसीटीई नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. पंकज अरोड़ा ने कहा, भारत को अब नौकरी खोजने वालों की नहीं, बल्कि अवसर सृजन करने वाले युवाओं की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से चरित्र, नवाचार और समाजसेवा का मंत्र अपनाने का आह्वान किया। युवाओं से कहा कि वे असफलताओं को खुले मन से स्वीकार करें। चुनौतियों से भागने की बजाय समाधान की दिशा में आगे बढ़ें। उन्होंने विद्यापीठ की सराहना की। समारोह में प्रो. अरोड़ा को डीलिट् की उपाधि से नवाजा गया। कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि यह भारतीय शिक्षा परंपरा का वह विशेष क्षण है जब ज्ञान संस्कार में बदलता है। दीक्षांत केवल प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि गुरु के आशीर्वाद और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का प्रतीक है। शिक्षा केवल कौशल हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह चरित्र निर्माण, समाज सेवा और मानवता में सक्रिय योगदान का अवसर है। कुल प्रमुख भंवरलाल गुर्जर ने शिक्षा के स्तर, देश की आत्मशक्ति, कर्तव्यबोध, जमीनी जुड़ाव और उत्तरदायी नागरिक निर्माण पर विचार रखे। कुलाधिपति प्रो. प्रतापसिंह चौहान ने नव दीक्षितों को वैश्विक बाजार की आवश्यकता और श्रम युक्त होकर भावी जीवन में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। प्रो. कैलाश सोडाणी ने उच्च शिक्षा, साइबर जागरूकता, स्वदेशी विषय पर विचार व्यक्त किए। निजी सचिव कृष्णकांत कुमावत ने बताया कि कार्यक्रम में विद्या प्रचारिणी सभा भूपाल नोबल्स संस्थान के मंत्री प्रो. महेन्द्र सिंह आगरिया, प्रबंध निदेशक डॉ. मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी, वित्त मंत्री शक्ति सिंह कारोही, संयुक्त सचिव राजेन्द्र सिंह, सदस्य नवल सिंह जुड, प्रो. रेणु राठौड, डॉ. युवराज सिंह राठौड़, डॉ. रश्मि बोहरा, लक्ष्मण सिंह कर्णावट सहित विद्यापीठ के डीन, डायरेक्टर मौजूद थे।

अलका शर्मा को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड

उदयपुर। एजुकेशन वर्ल्ड रॉकवुड्स स्कूल एवं सेंट्रल पब्लिक स्कूल की चेयरपर्सन अलका शर्मा को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। उन्होंने राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन लाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शर्मा का मानना है कि शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को सीखने में आनंद, स्वतंत्र सोच और भारतीय मूल्यों से जुड़े दयालु व आत्मविश्वासी वैश्विक नागरिक बनने की प्रेरणा देना होना चाहिए।

यूडीसीए के कोषाध्यक्ष शर्मा बने एडहॉक कमेटी के ऑब्जर्वर

उदयपुर। जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष व राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व सचिव महेंद्र शर्मा को राजस्थान क्रिकेट एडहॉक कमेटी की सलेक्शन कमेटी का ऑब्जर्वर बनाया गया है। जिला संघ के प्रवक्ता रजनीश शर्मा ने बताया कि महेंद्र शर्मा के साथ 4 जिलों के सचिव भी ऑब्जर्वर बनाए गए हैं। इसमें रतनसिंह (बीकानेर) अरिष्ठ सिंघवी (जोधपुर), सतीश व्यास (जालोर) और सोमेंद्र तिवारी (धौलपुर) शामिल है। इस कमेटी का गठन खिलाड़ियों के चयन में पारदर्शिता लाने के मकसद से किया गया है।

सिंगारिया उदयपुर एयरपोर्ट के नए डायरेक्टर

उदयपुर। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने सांवरमल सिंगारिया को महाराणा प्रताप एयरपोर्ट, उदयपुर का डायरेक्टर नियुक्त किया है। योगेश नगाईच को रायपुर एयरपोर्ट भेजा। सिंगारिया इससे पूर्व भटिंडा व बीकानेर एयरपोर्ट पर डायरेक्टर के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर से बीटेक की उपाधि प्राप्त की है व ईएनएसी, फ्रांस से एयर नेविगेशन सर्विसेज प्रोवाइडर्स मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री की उपाधि ली है।

अंडर-23 क्रिकेट में चौधरी बने पर्यवेक्षक

उदयपुर। जिला क्रिकेट संघ के सचिव मनोज चौधरी को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी ने बीसीसीआई की राष्ट्रीय स्तर की अंडर 23 प्रतियोगिता में पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) नियुक्त किया। यह प्रतियोगिता अहमदाबाद में में संपन्न हुई। जिला संघ के प्रवक्ता रजनीश शर्मा ने बताया कि चौधरी ने प्रतियोगिता 3 मैचों का ऑब्जर्वेशन किया।

उदयपुर बना हाईटेक सर्जरी हब, अब शहर में ही वेलीस रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सर्जरी संभव

उदयपुर. अब घुटनों की गंभीर समस्या का इलाज कराने जयपुर, अहमदाबाद के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। गीतांजली मेडिकल कॉलेज ने अत्याधुनिक वेलीस रोबोटिक असिस्टेड नी रिप्लेसमेंट सिस्टम के साथ सर्जरी की नई शुरुआत की है। इससे अनावश्यक रेडिएशन से बचाव होता है। सर्जरी की सटीकता कई गुना बढ़ जाती है। हॉस्पिटल के वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. रामावतार सैनी और डॉ. हरप्रीत सिंह के नेतृत्व में डॉक्टरों ने यूएसएफडीए प्रमाणित वेलीस रोबोटिक असिस्टेड नी रिप्लेसमेंट सिस्टम से सफल सर्जरी की है। चिकित्सकों ने बताया, इस तकनीक की सबसे बड़ी खासियत है कि मरीज को सर्जरी से पहले कोई सीटी स्कैन या एमआरआइ नहीं कराना पड़ता, क्योंकि यह पूरी तरह इमेजलेस सिस्टम पर कार्य करती है।

मरीजों को कई तरह के लाभ: ■ बिना दर्द और कम कट के साथ पर्सनलाइज्ड सर्जरी ■ वेलीस तकनीक रीयल टाइम डेटा का उपयोग कर मरीज की हड्डी, लिगामेंट्स के अनुसार सटीक प्लानिंग करती है। ■ ऑपरेशन के कुछ घंटे बाद ही मरीज चलने लगता है। मांसपेशियों की कमजोरी न के बराबर रहती है। ■ तेज रिकवरी व ज्यादा दिन अस्पताल में रहने की जरूरत नहीं। ■ कम टिश्यू कटिंग और मिनिमल इनवेजन से घाव जल्द भरता है। मरीज जल्द सामान्य हो जाता है।

राजस्थान सरकार

एक भारत, आत्मनिर्भर भारत

सरदार @ 150

राष्ट्र की एकता और
अखंडता के शिल्पी

लौहपुरुष सरदार
वल्लभभाई पटेल जी

की जयंती पर
कोटि-कोटि नमन

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

राष्ट्रीय एकता दिवस

31 अक्टूबर, 2025

की हार्दिक शुभकामनाएं

राजस्थान संवाद

सरदार पटेल ने "एक भारत-श्रेष्ठ भारत" का सपना देखा था। उनका ये सपना "आत्मनिर्भर भारत" से जुड़ा हुआ था। आज एक भारत - श्रेष्ठ भारत की भावना एक "नवीन विकसित भारत 2047" का निर्माण होते हुए देख रही है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

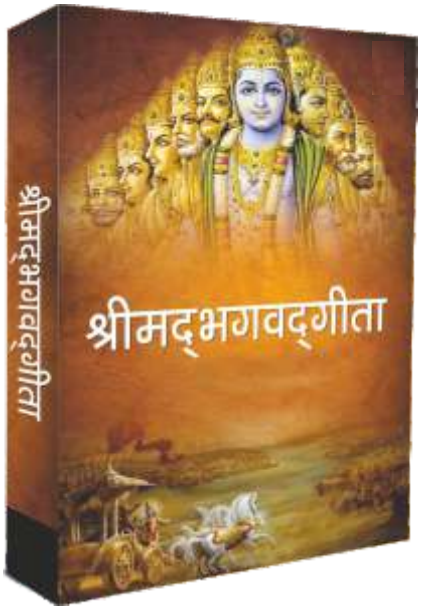

सांसारिक जीवन में गीता मार्गदर्शक

राजेश कुमार चौहान

भगवान श्री कृष्ण ने महाभारत युद्ध के दौरान मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन अर्जुन को जो उपदेश दिया था, वह गीता में समाहित है। इस उपलक्ष्य में इस वर्ष भी 1 दिसंबर को गीता जयंती मनाई जाएगी। गीता सार पढ़ने और सुनने से ही व्यक्ति संसार की झूठी मोहमाया के जंजाल से छूट जाता है और अपने सांसारिक जीवन को मानवता की सेवा में लगाकर पुण्यकर्म कमाता है।

गीता के अध्याय 062 लोक नं. 40 में श्री कृष्ण कहते है कि-

पार्थ नैवेह नामुत्र विनाशस्तस्य विद्यते ।
न हिं कल्याणकृतकश्रीद दुर्गतिं तात गच्छति ।।

अर्थात जो व्यक्ति सदा जन कल्याण के लिए ही कार्य करता रहता है, उसका इस लोक व परलोक में कहीं भी विनाश नहीं होता। भलाई करने वाला ऐसा व्यक्ति कभी किसी से पराजित भी नहीं होता है।

भीष्म पितामह जब बाण शैय्या पर लेटे थे, तब उन्होंने श्रीकृष्ण से पूछा कि मुझे यह किस पाप की सजा मिल रही है कि बाण शैय्या पर पड़ा हूं, जबकि मैंने पिछले 100 जन्मों तक शायद कोई पाप नहीं किया है, इस पर श्रीकृष्ण ने उन्हें बताया कि आप 101वें जन्म में जब शिकार करके लौट रहे थे, उस वक्त एक कर्केटा पक्षी आपके रथ से गलती से टकरा गया था। इस पर आपने उसे अपने बाण से नीचे गिरा दिया था। वह आपका अब तक पीछा कर रहा है। इसलिए जिंदगी में हमेशा अच्छे कर्म करने चाहिए, ताकि भाग्य हर जन्म में हमारा साथ दे।

जिस तरह हम उबलते पानी में अपना चेहरा नहीं देख सकते, उसी तरह हमें घमंड में न तो दूसरों की अच्छाइयां दिखती हैं और न ही अपने बुरे कर्मों को करने की बुरी आदतें। घमंड के कारण कुछ लोगों की बुद्धि इस तरह भ्रष्ट हो जाती है कि उन्हें लगता है कि मैं ही दुनिया में सबसे समझदार और अमीरजादा हूं।

पार्थ! जो व्यक्ति सदा जन कल्याण के लिए ही कार्य करता रहता है, उसका इस लोक व परलोक में कहीं भी विनाश नहीं होता और न कभी भी किसी से पराजित होता है।

कहते हैं कि आदमी दुनिया में खाली हाथ आता है और खाली हाथ ही जाता है। लेकिन शायद यह भी सत्य है कि वह अपने कर्मों को साथ लेकर आता है और कर्मों को लेकर ही जाता है। जब सभी यह जानते हैं कि दुनिया से धन, दौलत आदि कुछ साथ नहीं लेकर जाना है, अच्छे-बुरे कर्मों को ही साथ लेकर जाना है तो, फिर धन, दौलत का घमंड क्यों ? क्यों धन, दौलत के अहंकार में आकर या फिर इसे पाने के लिए बेईमानी, हेराफेरी क्यों ? क्यों धन, दौलत के अहंकार में अपने बड़प्पन की अहंकारी बातों से किसी को परेशान करना ? क्यों ऐसा करके पापकर्मों का भागीदार बनना ? लेकिन शायद धन, दौलत के अहंकार के वशीभूत होकर व्यक्ति को अच्छे-बुरे का भान नहीं रह जाता। लेकिन अहंकारी लोगों को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि समय कभी भी करवट ले सकता है। समय राजा को रंक बना सकता है।

आज कुछ लोग मैं की संकीर्ण मानसिकता पाले बैठे हैं। ऐसे लोग इस झूठे भ्रम में भी रहते हैं कि मैं सबसे समझदार, अमीर और सच्चा हूँ, मेरे बिना किसी दूसरे का कोई काम नहीं हो सकता, लेकिन ऐसी संकीर्ण मानसिकता वालों को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि मैं का अहंकार रावण और कंस के सपरिवार विनाश का कारण बना था।

दुनिया में किसी भी व्यक्ति को अपनी किसी भी ताकत, चाहे वो धन, दौलत, ज्ञान, सत्ता, शरीर आदि का कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए, क्योंकि इन फरेबी शक्तियों के कारण मनुष्य मानवता से गिर जाता है, और बुरे कर्मों की राह अग्रसर हो जाता है। बुरे कर्म एक दिन जरूर बनते हैं।

जयंती विशेष

सादगी का पर्याय थी उनकी जिंदगी

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

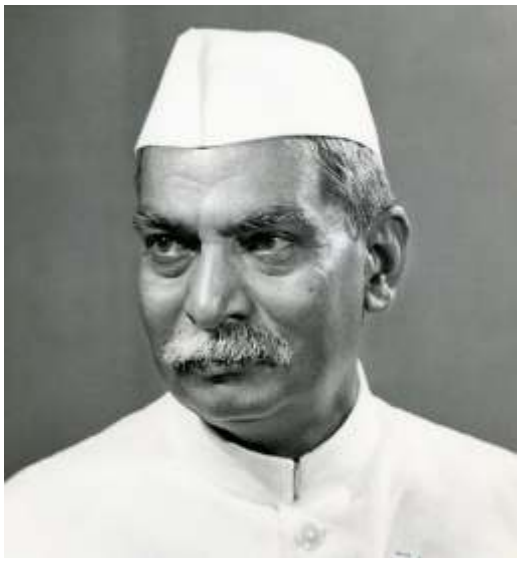

पंकज कुमार शर्मा

3 दिसम्बर 1884 को बिहार प्रांत के सारण जिले के जीरादेई नामक ग्राम में एक मध्यम दर्जे के परिवार में जन्म लेने वाले राजेन्द्र बाबू बचपन से ही प्रतिभाशाली, कर्तव्यनिष्ठ और लगनशील थे। पहली कक्षा से लेकर वकालत की परीक्षा तक उन्होंने सदैव प्रथम श्रेणी प्राप्त की। कुछ समय तक कॉलेज में अध्यापन कार्य भी किया। फिर वकील बने और उस रूप में भी उन्होंने पर्याप्त सफलता और प्रतिष्ठा प्राप्त की। धन के प्रति कभी कोई मोह नहीं रहा। संपन्न परिवार में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने पूरा जीवन अत्यंत सादगी से बिताया। राष्ट्रपति बनने पर भी 320 कमरों वाले भव्य राष्ट्रपति भवन के तीन कमरों को ही उन्होंने अपने परिवार के लिए चुना।

कभी किसी अपराधी की पैरवी नहीं की और यदि कभी उनका कोई मुवकिल गलत राह पर जाने लगता तो उसे समझाबुझाकर सही रास्ते पर ले आते और यदि वह नहीं मानता तो उसका साथ छोड़ देते। 1906 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में स्वयंसेवक के रूप में शामिल हुए और कालांतर में उसके सिद्धांतों के साथ जुड़ते चले गए। महात्मा गांधी ने जब चंपारन (बिहार) में किसानों पर होने वाले अत्याचारों का विरोध किया और आंदोलन चलाया तो राजेन्द्र बाबू उनके प्रमुख सहयोगी थे। 1920 में असहयोग आंदोलन प्रारंभ हुआ तो गांधीजी के आह्वान पर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने अपनी वकालत छोड़ दी और आंदोलन में कूद पड़े। जमा पूंजी के नाम पर उनके पास उस समय केवल 15 रुपए थे। पटना से अहमदाबाद जाना हुआ तो उसके लिए उन्हें अपना शॉल बेचना पड़ा। आगे चलकर तो उन्हें अपनी जमीन जायदाद और अपनी पत्नी श्रीमती राजवंशी देवी के गहने भी बेचने पड़े। मगर वकालात छोड़कर आंदोलन में शामिल होने का न तो उन्होंने अपना निर्णय बदला और न परिस्थितियों के आगे झुके।

सन 1934 में और उसके बाद भी वे कांग्रेस-अध्यक्ष बने। संकट की हर घड़ी में उन्हें याद किया गया और हर परीक्षा में वे सफल रहे। 1946 के अंतरिम मंत्रिमंडल में उन्हें खाद्य मंत्री का पद दिया गया। वे संविधान सभा के अध्यक्ष रहे और 1950 में भारतीय गणतंत्र के अंतरिम राष्ट्रपति बने। मई 1952 में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नये संविधान के अंतर्गत नियमानुसार राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित हुए। उसके बाद मई 1957 में उन्हें पुनः इस पद पर प्रतिष्ठित किया गया। 1962 में तीसरी बार पुनः राष्ट्रपति बनने के लिए उनके पास जब प्रस्ताव आया तो उन्होंने साफ मनाकर दिया। वे किसी गलत परम्परा को जन्म देना नहीं चाहते थे। उनका विचार था कि देश की सेवा के लिए किसी पद पर रहते हुए दस वर्ष की अवधि कम नहीं होती। इसलिए तीसरी बार राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार बनना गलत परम्परा को जन्म देना होगा। 13 मई 1962 को वे राष्ट्रपति पद से मुक्त हुए। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सही अर्थों में अजातशत्रु थे। उनके राजनीतिक विरोधी भी उन्हें प्रशंसा की दृष्टि से देखते हैं और राजनीतिक दृष्टि से आलोचना करने में भी उन्हें शब्द जुटाने में बड़ी कठिनाई होती थी। शत्रु तो जीवन पर्यन्त उनका कोई रहा ही नहीं। 28 फरवरी 1963 को उनका निधन हो गया। पटना में सदाकत आश्रम उनकी स्मृति को संजोए हुए है।

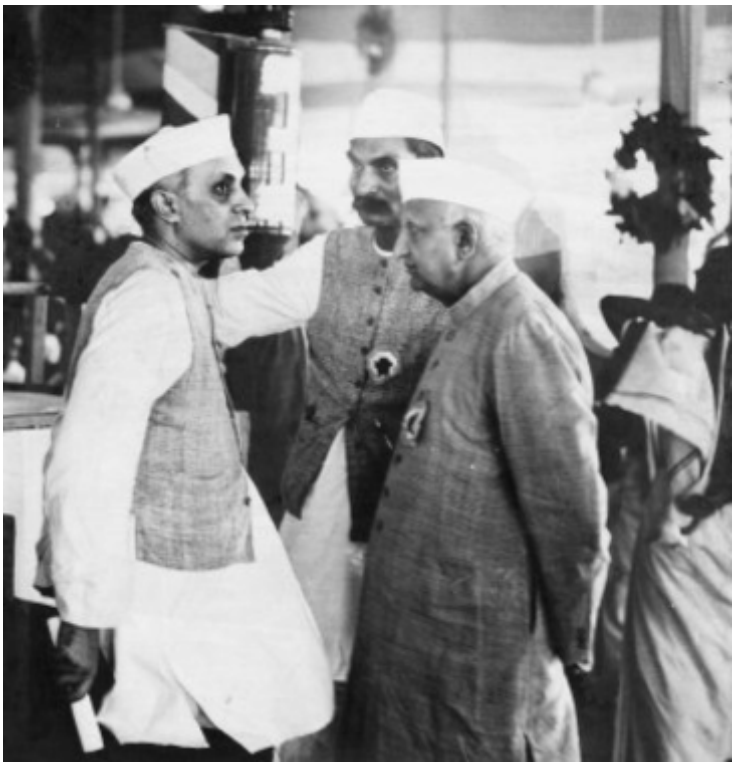

बिहार में सरकार चुनने के निर्णय में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

गौरव शर्मा

बिहार में महिलाएं कई स्तरों पर जागरूक हुई हैं उनका दायरा अब घरों तक सीमित नहीं है। बिहार में सम्पन्न चुनाव में मतदान के प्रति उनका उत्साह इसका प्रमाण है कि अब वे भी पुरुषों की तरह राज्य की समस्याओं पर चिन्तन करती हैं और उन्हें दूर करने में अपनी सार्थक भूमिका के निर्वाह के साथ और सरकार चुनने के निर्णय में बराबर की भागीदार बनना चाहती हैं। उनका यह संदेश पूरे देश की महिलाओं के लिए भी है।

बिहार विधानसभा चुनाव में इस बार अब, तक का सर्वाधिक मतदान हुआ है। इसके साथ ही जो सुखद तस्वीर सामने आई, वह है लोकतंत्र के इस पर्व में महिला मतदाताओं की बढ़-चढ़ कर भागीदारी। यह न केवल महिलाओं की दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है, बल्कि समाज में जागरूकता का संदेश भी है। बिहार की महिलाओं ने यह साबित कर दिया कि वे अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपने अधिकारों और कर्तव्य के प्रति सजग हैं। इसी का नतीजा है कि राज्य के अब तक के चुनावी इतिहास में इस बार महिलाएं मतदान में पुरुषों से कहीं आगे रहीं।

दो चरणों में संपन्न चुनावों में कुल मतदाताओं ने मतदान के प्रति अभूतपूर्व उत्साह दिखाया। 6 नवंबर को 121 सीटों पर हुए पहले चरण में मतदान जहां 65.08 फीसदी रहा तो, 11 नवंबर को संपन्न हुए दूसरे चरण में यह उससे भी अधिक 68.76 फीसदी हुआ। कुल मतदान 67 फीसदी रहा। जो बिहार के तिहत्तर साल के इतिहास में सर्वाधिक रहा है। इससे पूर्व सर्वाधिक मतदान 62.6 फीसदी वर्ष 2000 के दौरान रहा था। इस बार के चुनाव में एक खास बात यह रही कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में मतदान के प्रति ज्यादा उत्साह रहा।

चुनाव आयोग के मुताबिक, पहले चरण में 61.56 फीसद पुरुषों के मुकाबले 69.04 फीसद महिलाओं ने मतदान किया। यह सिलसिला दूसरे चरण में भी जारी रहा और 64.01 फीसद पुरुषों के मुकाबले महिलाओं का मतदान 74.03 फीसद रहा। यह परिदृश्य राजनीति और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की सशक्त होती भूमिका को रेखांकित करता है।

पहले दस में से तीन महिलाए ही मतदान करती थी, जबकि अब सात से ज्यादा महिलाएं मतदान करने लगी हैं। यह अध्ययन का विषय है कि बिहार राज्य में यह सकारात्मक परिवर्तन कैसे हुआ ? वैसे, यह बदलाव बिहार में पहले ही हो जाना चाहिए था। यहां तक पहुंचने में छह दशक से ज्यादा समय लग गया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि वास्तविक या निष्पक्ष मतदान के दौर में अगर देखें, तो नीतीश कुमार को जो बिहार मिला था, उसमें दस में से पांच महिलाएं भी मतदान के लिए नहीं निकलती थीं। साल 2005 के चुनाव में 44.49 प्रतिशत महिलाओं ने ही मतदान किया था। इसके अगले दस वर्ष में महिलाओं को जमीनी मजबूती मिली, तो साल 2015 के विधानसभा चुनाव में महिला मतदान का प्रतिशत बढ़कर 60.48 हो गया। पिछली बार 2020 में जब चुनाव हुआ, तब कोरोना महामारी का असर था, तो मतदान में मामूली गिरावट दर्ज हुई थी। बेशक, अब 2025 में हुए रिकॉर्ड मतदान से महिलाओं के मनोबल को बहुत मजबूती मिलेगी। साल 2006 में मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना शुरू हुई थी, जिसने बड़ी संख्या में लड़कियों को स्कूल पहुंचाया। निस्संदेह, स्कूल जाने वाली पीढ़ी आज आगे बढ़कर मतदान कर रही है। अगर स्कूल जाने की बाधाएं कम हुई हैं, तो मतदान की बाधाओं का भी अंत हुआ है। एक दौर वह भी था, जब परिवार के पुरुष सदस्य महिलाओं को मतदान से रोकते थे। अब महिलाओं की ऐसी पीढ़ी आई है, जो पुरुष सदस्यों के रोके नहीं रुकने वाली। पहले पुरुष ही तय करते थे कि किसे वोट देना है, लेकिन अब बड़ी संख्या में महिलाएं स्वयं अपना उम्मीदवार चुनने लगी हैं। भय और बाधा का दूर होना लोकतंत्र की सफलता का प्रमाण है।

बच्चे को न बनाएं विद्रोही समझें उसकी उड़ान

बच्चे अपने माता-पिता और मित्रों के व्यवहार से उनकी सहनशीलता से, उनके फैसलों और घर के माहौल की अनिश्चितताओं से बहुत कुछ सीखते हैं। बच्चा एक खुली किताब की तरह होता है, जिसे पढ़ने के लिए पहले हमें अपनी धारणाओं का चश्मा उतारना पड़ता है, अपनी व्यस्तता को विराम देना होता है और उससे भी आगे बालमन में उतरकर उसके मनोभाव को समझने की कोशिश होनी चाहिए।

रेणु शर्मा

कई बार बच्चे-माता पिता की बातों का ठीक से जवाब नहीं देते। उनके ऐसे व्यवहार से माता-पिता का आहत होना स्वाभाविक है, परंतु अभिभावकों को ऐसे समय पर अपने बच्चों को समझना चाहिए, उनका दिल टटोलना चाहिए और उनके साथ एक दोस्त की तरह पेश आना चाहिए। यदि बच्चों के उग्र व्यवहार को माता-पिता सही दिशा नहीं देंगे, तो बच्चे लगातार उसी तरह का व्यवहार दोहराते रहेंगे।

उसकी बात सुनें

जब भी बच्चा पलट कर जवाब दें तो माता-पिता को अपनी प्रतिक्रिया बहुत सावधानी से देनी चाहिए, क्योंकि यह बच्चे के साथ उनके संबंधों को खराब कर सकता है। जब बच्चा गुस्से में हो, तब उसके प्रति अधिक उदार बनने की जरूरत है। ऐसे में यदि आप सख्ती से पेश आएंगे तो बच्चे को लगेगा कि आप उसे बोलने की इजाजत नहीं दे रहे। इसकी बजाय उसके मन में जो भी बात है, उसे निकल जाने दें। अक्सर माता-पिता बच्चे से यह कहते सुने जा सकते हैं कि हम तुम्हारे माता-पिता हैं और तुम इस तरह कैसे बात कर सकते हो..तो यह बात बच्चे को और चिढ़ाने वाली ही होगी। यदि आप ऐसे में बच्चे से यह कहें कि इस विषय पर आप उसके

साथ बाद में बात करेंगे, तो यह एक बेहतर तरीका होगा।

बच्चे की परेशानी जानें

बच्चे के चिढ़ने पर माता-पिता का गुस्सा जायज नहीं है। बच्चे के चिढ़ने की वजह जानने की कोशिश करनी चाहिए। हो सकता है वह इसलिए गुस्सा कर रहा हो क्योंकि वह स्कूल में खुद को ठीक वातावरण में न पा रहा हो या वह अपने दोस्तों के साथ ठीक तरह की स्थिति में न हो। स्कूल के होमवर्क का दबाव भी उसे चिड़चिड़ा बना सकता है। जब भी वह पलट कर जवाब दे, शांति से उससे पूछें कि आज उसके साथ क्या हुआ। वह बहुत सहजता के साथ आपके साथ बातचीत करेगा।

बातचीत से समझाएं

जब भी बच्चा तेज आवाज में आपको पलट कर जवाब दे, तो उसे बहुत शांति के साथ समझाएं कि उसका इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं है। बच्चे अक्सर अपने दोस्तों को देख कर इस तरह का व्यवहार करना सीखते हैं और यदि उन्हें समझाया जाए कि इस तरह के व्यवहार के कारण उन्हें कोई पसंद नहीं करेगा, तो वे वैसा व्यवहार दोबारा नहीं करेंगे।

वह आप से ही सीखता है

यदि आप बच्चों को कुछ सिखाना चाहते हैं, तो उसके लिए आपको खुद रोल मॉडल बनना होगा। यदि माता-पिता आपस में ठीक से बातचीत नहीं करते या सही संबोधनों का इस्तेमाल नहीं करते या एक-दूसरे से ऊंची आवाज में बात करते हैं, तो बच्चे भी उन चीजों को सीखते हैं। इसलिए यदि बच्चे को उचित व्यवहार सिखाना है, तो माता-पिता को आपस में अच्छा व्यवहार करना होगा।

उसकी तारीफ करें

जब भी बच्चे कोई अच्छा काम करते हैं तो उनकी तारीफ करने से न चूकें। ऐसा होने पर अगली बार वे उस तरह का व्यवहार करने को प्रेरित होंगे।

विटामिन-सी का खजाना अमरूद और आंवला

सर्दियों में लिए जाने वाले आहार में विटामिन-सी की मात्रा बढ़ाना जरूरी हो जाता है। विटामिन-सी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और ठंड के कारण होने वाले विभिन्न संक्रमण से भी रक्षा करता है। अमरूद व आंवला इस मौसम के ऐसे फल हैं, जिनमें विटामिन-सी तो है ही, अन्य पोषक तत्वों की भी बहुतायत है।

डॉ. शोभालाल औदिच्य

सर्दी के मौसम में सबसे आसानी से उपलब्ध होने वाला फल है अमरूद। यही वजह है कि इसकी उपेक्षा भी सबसे अधिक होती है और इसके फायदों की अनदेखी की जाती है। इसमें कैलोरी कम मात्रा में होती है। पचास ग्राम के एक अमरूद में 40 कैलोरी होती है। फाइबर की अधिकता आंतों की सफाई के लिए जरूरी होती है। अमरूद में एस्ट्रिंजेंट का होना पेट व आंतों में संक्रमण करने वाले बैक्टीरिया की उत्पत्ति को रोकता है। यह एसिडिटी की समस्या को कम करता है।

अमरूद मधुमेह पीड़ितों के लिए भी फायदेमंद है। यह फल रक्त शर्करा को धीरे-धीरे ग्रहण करता है। अमरूद में विटामिन-सी प्रचुरता में होता है। एक औसत अमरूद में संतरे से चार गुणा अधिक विटामिन सी होता है। विटामिन-सी इम्युनिटी यानी रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूत बनाता है। कोलेजन का संतुलन बना रहता है, जिससे त्वचा ढीली नहीं पड़ती। अमरूद के छिलके व उसकी निचली परत में सबसे अधिक गूदा होता है, इसलिए इसे खाना न भूलें। अमरूद में प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट इलाजिक एसिड होता है, जो कैंसररोधी गुणों से भरपूर है। इसमें बी कॉम्प्लेक्स विटामिन और मैग्नीशियम और तांबा आदि मिनरल होते हैं। इसमें पोटैशियम भी प्रचुरता में होता है। इसे कच्चा व पकाकर दोनों तरह से खाया जा सकता है।

आंवला एक: गुण अनेक

विटामिन-सी की प्रचुरता के अलावा आंवले का सेवन शरीर की आयरन व कैल्शियम को ग्रहण करने की क्षमता भी बढ़ाता है। ऐसे में आंवले को किशमिश, अखरोट, तिल और डेयरी उत्पाद के साथ खाना फायदा पहुंचाता है। आयुर्वेद में आंवले को कई गुणों के कारण जाना जाता है। पाचन को दुरुस्त करने के साथ ही यह खांसी में भी राहत देता है। आंवला एल्केलाइन यानी क्षरीय प्रकृति का फल है, ये पेट के रसायनों के स्तर को संतुलित रखता है।

आंतों को भी स्वस्थ्य रखता है। आंवले का सेवन अपच में राहत देता है, लिवर को दुरुस्त रखता है और फ़ेफड़ों व शरीर की सफाई करता है। इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। आंवले का सेवन शरीर में सफ़ेद रक्त कोशिकाओं की संख्या को बढ़ाता है। सफ़ेद रक्त कोशिकाएं ही शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए जिम्मेदार होती हैं।

आयरन और केरोटीन की अधिकता के कारण आंवला बालों व त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को काबू में रखते हैं। इस फल का सेवन आंखों के लिए भी अच्छा होता है। आंवले में क्रोमियम नामक खनिज होता है, जिसकी जरूरत शरीर को कम मात्रा में होती है, पर यह खनिज शारीरिक प्रक्रियाओं को दुरुस्त रखता है। इसमें बीटा ब्लॉकर होते हैं, जो शरीर में हानिकारक कोलेस्ट्रॉल को कम करते हैं। मधुमेह रोगियों के लिए भी आंवला फायदेमंद है। इसे कद्दूकस कर सलाद के साथ भी खाया जा सकता है। हर रोज एक आंवला जरूर खाना चाहिए।

दीपक जैन, डायरेक्टर
94136 09474

विनय जैन
77379 73390

JNC
जैन नाश्ता सेन्टर

जैन नाश्ता सेंटर

■ पोहा ■ समोसा ■ दाल कचौरी ■ प्याज कचौरी ■ आलू बड़ा ■ ब्रेड बड़ा
■ मिर्ची बड़ा ■ मेथी गोटा ■ प्याज पकोड़े ■ पालक चाट ■ कड़ी कचौरी
■ कड़ी समोसा ■ छाछ ■ लस्सी ■ खमण ■ फाफड़ा ■ जलेबी ■ इमरती
■ दही बड़ा ■ इडली सांभर ■ फ्राई इडली ■ खाण्डवी ■ साबुदाना खिचड़ी
■ रतलामी नमकीन ■ छोले चावल ■ कड़ी चावल ■ पपड़ी चाट

Mob.: +91 9413609474, 7737973390
Opp. Post Office, Near V Mart, Shastri Circle, Udaipur (Raj.)

A.L. Menaria
Director

MENARIA

GUEST HOUSE

Home Away From Home

Well equipped Conference & Party venue available

ACCOMMODATION :

Well Appointed AC/Non AC Guest Rooms.
All rooms in suite with hot & cold water,
Elevator (Lift), telephone, satellite TV etc.

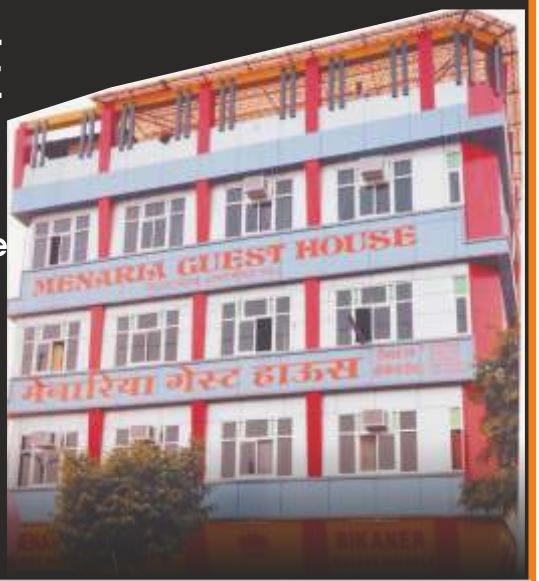

A.L. Menaria	P.S. Menaria	J.P. Menaria
Mob. : 8003763838	Mob. : 9414233164	Mob. :9414263411

Off. : Opp. Akashwani Colony, Hiran Magri, Sec.5,
UDAIPUR 313002 (Raj.) Ph. : 2461976, 2467411 (O)

मकर संक्रानि पर 30 हजार रूपये बैंक अकाउंट में डालने के तेजस्वी यादव के वादे को महिलाओं ने ठुकराया

बिहार चुनाव की धुरी रहे पांच प्रमुख मुद्दे

बिहार विधानसभा चुनाव इस बार पूरा रोजगार, पलायन, घुसपैठ, महिलाओं की सुरक्षा और कानून व्यवस्था जैसे पांच प्रमुख मुद्दों पर टिका था। चुनाव के दोनों चरणों में प्रचार के दौरान राजग और महागठबंधन के नेता इन्ही विषयों को लेकर एक दूसरे पर निशाना साधते रहे। हालांकि इस चुनाव में नीतीश सरकार की दस हजारी स्कीम और कुछ विकास के काम विपक्ष पर भारी पड़े। महागठबंधन की ओर से घोषित भावी मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का वह वादा नाकाम रहा, जिसमें मकर संक्रांति के मौके पर महिलाओं के खाते में 30 हजार रूपए डालने की बात कही गई थी।

राकेश शर्मा

विधानसभा चुनाव इस बार पूरा रोजगार, पलायन, घुसपैठ, महिलाओं की सुरक्षा और कानून व्यवस्था इन पांच मुद्दों पर टिका रहा। चुनाव के दोनों चरणों में राजग और महागठबंधन के नेता इन्हीं विषयों को लेकर एक दूसरे पर निशाना साधते रहे।

हालांकि चुनाव के शुरुआती दौर में दोनों गठबंधनों विकास करने का दावे करते रहे, लेकिन कानून व्यवस्था को लेकर गर्म हुई चर्चाओं का दौर कट्टे तक जा पहुंचा। पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समस्तीपुर की रैली में कट्टे शब्द का प्रयोग किया। उसके बाद प्रधानमंत्री सहित राजग के लगभग सभी नेता अपने सभाओं में कट्टे शब्द को दोहराते दिखे। वहीं इसके जवाब में महागठबंधन की तरफ से तेजस्वी यादव, राहुल गांधी सहित सभी बड़े नेताओं ने कहा कि कट्टे वाली भाषा से बिहार–बिहारियों की छवि खराब हो रही है। इस चुनाव में कानून व्यवस्था एक बड़ा मुद्दा बनकर उभरा। कट्टे के सहारे राजग ने लालू यादव के शासन काल की कानून व्यवस्था को जनता के सामने रखा। वहीं, कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए विपक्ष ने राज्य में अपराध, लूट और हत्या की घटनाओं को उठाया।

रोजगार वहां एक बड़ा मुद्दा है। बिहार विधानसभा में 12 फरवरी को पेश आर्थिक सर्वेक्षण 2023–24 बताता है कि राज्य में बेरोजगारी की स्थिति देश के औसत से अधिक है। इस रिपोर्ट के अनुसार राज्य में बेरोजगारी दर 4.3 फीसद है। जो राष्ट्रीय औसत 3.4 फीसद से 0.9 फीसद से अधिक है। यही कारण है कि तेजस्वी यादव से लेकर नीतीश कुमार व सभी दलों ने करोड़ों युवाओं को रोजगार देने का वादा किया। रोजगार, शिक्षा सहित दूसरे कारणों से पलायन एक बड़ा मुद्दा है। जनसंख्या विज्ञान संस्थान की रपट के अनुसार बिहार के आधे से अधिक परिवार देश के भीतर या बाहर अधिक विकसित स्थानों पर पलायन के लिए मजबूर हैं। महागठबंधन ने इसे सरकार की असफलता करार दिया। जबकि सरकार ने दावा किया कि प्रदेश में उद्योग सहित दूसरे विकास पलायन को कम कर रहे हैं। साथ ही दावा किया कि इस दिशा में तेजी से कमी भी आई है। इसके अलावा सीमांचल और आसपास के इलाकों में घुसपैठ के मुद्दे ने भी जोर पकड़ा। बिहार चुनाव के दोनों चरणों में हुए मतदान में महिलाओं की बड़ी भागीदारी रही। बिहार की कुल आबादी में करीब 48 फीसद महिलाएं हैं। नीतीश सरकार की दस हजारी स्कीम के अलावा आम आदमी की सहूलियत से जुड़े कुछ काम राजग के पक्ष में वातावरण बनाने में सफल रहे। वहीं महागठबंधन के नेता तेजस्वी यादव द्वारा अपनी सरकार बनने पर मकर संक्रांति पर महिलाओं के बैंक खातों में 30 हजार रूपए डालने की घोषणा को महिलाओं ने सिरे से नकार दिया।

प्रत्यूष
समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका
प्रत्यूष *(बहुरंगी हिन्दी मासिक)*
के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।
पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

सर्दी में आपकी डाइट

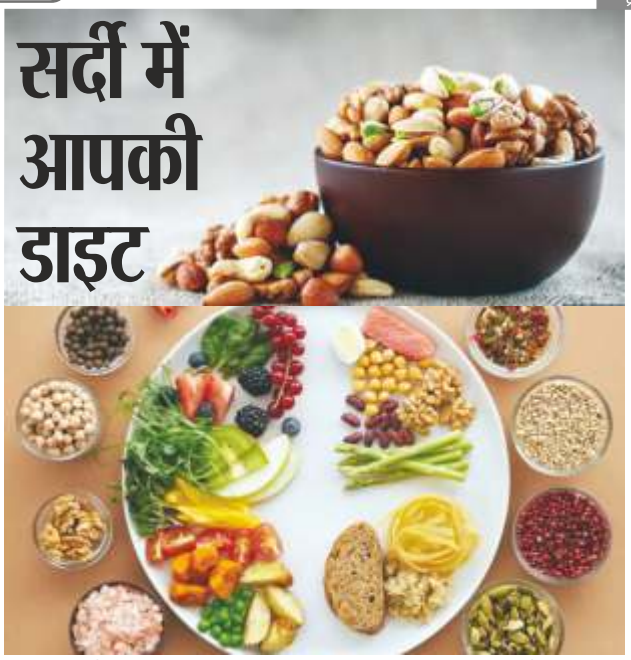

सर्दी के मौसम में खान-पान पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है। जरा सी लापरवाही बरतने पर बीमारी की चपेट में आने की आशंका अधिक रहती है। अतएव सर्दियों में दैनन्दिन उपयोग के लिए आहार चार्ट बनाने में ही समझदारी है।

हालांकि मौसम कोई भी हो, डाइट को लेकर सावधान रहने की जरूरत होती है लेकिन सर्दी के मौसम में यह और भी जरूरी हो जाता है क्योंकि ऐसा ना करने पर इंफेक्शन की संभावना बढ़ जाती है। सही डाइट से आप अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत कर सकते हैं। सर्दी के मौसम में क्या खाएं और क्या ना खाएं, यह जानना जरूरी है। हरे पत्तेवाली सब्जियां अधिक से अधिक खाएं, इनमें एंटीआक्सीडेंट्स होते हैं। गाजर और चुकंदर अधिक खाएं। इस मौसम में ये सब्जियां खूब उपलब्ध होती हैं। इनमें विटामिन ए और आयरन मौजूद होता है। विटामिन सी वाले फल बीमारी से लड़ने में सहायक होते हैं। मसलन संतरा, अंगूर, स्ट्रोबेरी, किवी फ्रूट और अमरूद। इनके सेवन से सर्दियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए बादाम, च्यवनप्राश, शहद और खजूर नियमित रूप से खाना फायदेमंद होता है। इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में प्रोटीन भी सहायक होता है, इसलिए दूध, अंडे और सोयाबीन का सेवन करें।

इस मौसम में तिल और गुड़ खाना भी लाभदायक होता है। गोभी, पालक, मेथी, बथुआ आदि के पराठे खा सकते हैं। गाजर और चुकंदर का जूस और सूप पीना बहुत लाभकारी है। अगर ओवरवेटेड हैं तो चिकन और फिश खाएं। पर्याप्त पात्रा में पेय पदार्थ लेना चाहिए, दूध, सूप और पानी का भरपूर सेवन करें। संभव हो तो दिन में एक बार खाने के साथ वेजिटेबल सूप जरूर पिएं।

क्या ना खाएं

- ओवरवेटेड हैं तो मीठा ज्यादा नहीं खाना चाहिए। रेड मीट यानी मटन नहीं खाना चाहिए।
- इस सीजन में ज्यादा ऑयली डाइट हानिकारक है।
- डाइट और ड्रिंक्स में एक्सट्रा शुगर नहीं लेनी चाहिए।
- सर्दियों में चाय और काफी की अधिकता नुकसानदेय है।

किरण दीवान,
(आहार विशेषज्ञ)

परतानी
नाक कान गला अस्पताल
ISO 9001:2015 CERTIFIED
डायोड लेजर
माइक्रोडिब्राइडर
साइलोएंडोस्कोपी (लार की ग्रंथी)
कोबलेटर एवं अन्य अत्याधुनिक उपकरणों द्वारा सर्जरी एवं जांच की सुविधा
NABH
NABH प्रमाणित हॉस्पिटल
स्पीच थैरेपी एवं डिजिटल हियरिंग एड की सुविधा
HONORARY CONSULTANT:
डॉ. ए.के. गुप्ता (MS ENT)
डॉ. गरिमा गुप्ता
डी.एन.बी. (ई.एन.टी.)
डॉ. सीमा परतानी
(एम.डी. एनेस्थीसिया, पैलियेटिव केयर फिजिशियन)
रीटा कुमारी
BASLP (Audiologist Speech therapist)
VERTIGO CLINIC
चक्कर आने की जांच
14, नाकोड़ा कॉम्पलेक्स, हंसा पैलेस के पास, सेक्टर-4, हिरणमगरी, उदयपुर
Ph.: 0294-2462150 (Dr.) Mo.: 99823 62150

प्रत्यूष

बच्चों, बुजुर्गों में निमोनिया का जोखिम ज्यादा

निमोनिया की गिरफ्त में हर आयु वर्ग के व्यक्ति आ सकते हैं, पर आमतौर पर 5 साल से कम और 65 वर्ष से ज्यादा उम्रवालों में इसके मामले सर्वाधिक सामने आते हैं। तापमान में कमी के कारण सर्दियों में इसके होने का खतरा अधिक होता है।

डॉ. अनिता शर्मा

फेफड़ों में संक्रमण ही निमोनिया है। जो जीवाणुओं, विषाणुओं और कवक (फंगस) के कारण होता है। ऐसे संक्रमण के कारण फेफड़ों में सूजन और तरल पदार्थ जैसे मवाद व बलगम के रूप में जमा होने लगते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार लगभग 90 फीसदी मामले जीवाणु जनित निमोनिया से संबंधित होते हैं। बैक्टीरियल निमोनिया का एक कारण न्यूमोकोकल बैक्टीरिया है, जिसे स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया कहा जाता है। जब दोनों फेफड़ों में संक्रमण हो जाता है, तो इसे डबल निमोनिया कहते हैं। जो लोग पहले से ही दमा, ब्रॉन्काइटिस और सांस संबंधी रोगों जैसे सीओपीडी से पीड़ित हैं, उनमें इसका जोखिम अधिक होता है। कैंसर, मधुमेह, किडनी व हृदय रोग से जूझ रहे लोगों में भी इसका खतरा अधिक रहता है।

निमोनिया के लक्षण

- सांस लेने में दिक्कत व तेजी से सांस लेना
- 102 डिग्री से ऊपर तेज बुखार
- पीले, हरे या रक्तयुक्त बलगम व खांसी
- गहरी सांस लेने पर सीने में दर्द
- भूख में कमी
- त्वचा या नाखून का नीला पड़ना
- शरीर में ऑक्सीजन की कमी व भ्रमित होना
- बेचैनी महसूस करना, उल्टी होना।
- वायरल निमोनिया होने पर उपरोक्त लक्षणों के साथ मांसपेशियों में दर्द, कमजोरी, सूखी खांसी व लगातार सिरदर्द के लक्षण भी दिखाई देते हैं।

छोटे बच्चों में लक्षण : छोटे बच्चों में पसली चलना एक बड़ा लक्षण है। छोटे बच्चे दूध पीना छोड़ देते हैं। सांस लेने पर घरघराने जैसी आवाज आना, उल्टी, सुस्ती, पेशाब की मात्रा में कमी, बुखार के साथ ठंड व त्वचा पर लाली दिखाई देती है।

बुजुर्गों में लक्षण : उपरोक्त लक्षणों के अलावा बुजुर्गों में अनियंत्रित रक्तचाप से संबंधित समस्या उत्पन्न होती है।

उपचार : समय रहते इलाज नहीं कराने पर स्थिति जानलेवा हो सकती है। फेफड़ों में तरल पदार्थ जमा होने से श्वसन तंत्र की कार्यप्रणाली ठप पड़ सकती है। शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन न मिलने पर महत्वपूर्ण अंग अपना कार्य करना बंद कर देते हैं। अगर निमोनिया का स्वरूप जीवाणुजनित है तो डॉक्टर मरीज को एंटीबायोटिक्स देते हैं। वायरस जनित निमोनिया होने पर एंटीवायरल दवाएं दी जाती हैं और वहीं फंगल निमोनिया को काबू करने के लिए एंटी फंगल दवाएं देते हैं। गंभीर मामलों में मरीज को ऑक्सीजन व अन्य जीवन रक्षक उपकरणों पर रखना पड़ सकता है।

कब ले जाएं अस्पताल

- मरीज को सांस लेने में बहुत ज्यादा तकलीफ महसूस हो रही हो या वह 1 मिनट में 20 से अधिक बार सांस ले रहा हो।
- ऑक्सीजन लेवल 92 प्रतिशत से कम और हृदय गति 100 से ऊपर हो
- तेज बुखार (103 डिग्री या इससे अधिक) कम न हो रहा हो।

ऐसे करें बचाव

बुजुर्गों और वयस्कों में टीकाकरण (वैक्सीनेशन) निमोनिया से बचाव में काफी हद तक सहायक है। डॉक्टर के परामर्श पर शिशुओं को वैक्सीन की डोज तयशुदा समय पर लगवानी चाहिए। दवा का कोर्स अवश्य पूरा करें।

ताकि न फैले संक्रमण

खांसते समय अपना मुंह और नाक ढकें। टिश्यू इस्तेमाल करने के बाद तुरंत उसे डस्टबिन में डालें। हाथ की साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। निमोनिया पीड़ित व्यक्ति के पास जाते समय मास्क जरूर पहनें। चिकित्सक से परामर्श करते रहें।

प्रत्यूष

बिजली गिरने से पेड़ों की मौत का आंकड़ा पहली बार आया सामने

आसमानी आफत से हर साल 32 करोड़ पेड़ भस्म

आसमान से आफत बनकर गिरने वाली बिजली हर साल 32 करोड़ पेड़ों को भस्म कर रही है। वैज्ञानिकों ने पहली बार वैश्विक स्तर पर बिजली गिरने से पेड़ों की मौत का डाटा जुटाया है, जिससे यह जानकारी सामने आई है। म्यूनिख की टेक्निकल यूनिवर्सिटी की शोध टीम का यह अध्ययन ग्लोबल चेंज बायोलॉजी नामक पत्रिका में छपा है। पहले यह जानकारी स्थानीय स्तर पर ही होती थी, जिसमें एक जंगल में कितने पेड़ गिरे या मरे। लेकिन अब पूरी धरती का विश्लेषण किया गया है। इसमें पाया गया कि हर साल बिजली गिरने से जितने पेड़ मरते हैं, वो संख्या दुनिया भर के कुल पेड़ों के नुकसान का 2.9 फीसदी है। जब पेड़ जलते हैं तो वे 1.09 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं, जिससे वातावरण को भी काफी नुकसान पहुंचता है।

भारत में भी असर

भारत के पूर्वोत्तर, मध्य भारत और तटीय क्षेत्रों में बिजली गिरने की घटनाएं आम हैं। फोरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया और ग्लोबल फोरेस्ट वॉच की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में कुल वन क्षेत्र लगभग आठ लाख वर्ग किलोमीटर है। भारत ने 2001 से 2020 के बीच 1.93 मिलियन हेक्टेयर जंगल खोया। इसका बड़ा कारण कटाई और आग भी है।

पेड़ ज्यादा खतरे में क्यों

1. बड़े पेड़ खुले मैदानों, पहाड़ी इलाकों में बिजली की चपेट में आते हैं
2. जंगल, खेत, पहाड़ी और तटीय क्षेत्रों में बिजली ज्यादा गिरती है
3. पेड़ के अंदर का पानी तेजी से गर्म होकर भाप बन जाता है
4. यह भाप फैलने लगती है और पेड़ के तने में आग लग सकती है

बचाव के तरीके भी

वैज्ञानिकों ने बताया कि जैसे इमारतों में लाइटनिंग रॉड लगाई जाती है, बड़े पेड़ों पर भी इसे लगाया जा सकता है। इससे बिजली सुरक्षित रास्ते से जमीन तक पहुंचती है क्योंकि पेड़, घर को नुकसान न पहुंचे।

(एजेन्सी)

पनामा के जंगलों में कैमरे

वैज्ञानिकों ने पेड़ों के मरने का कारण पता लगाने के लिए पनामा के जंगलों में खास कैमरा सिस्टम लगाया। इसके बाद ड्रोन और ग्राउंड सर्वे से यह देखा कि कितने पेड़ मरे हैं। पता चला कि एक बिजली की चपेट में आकर औसतन 3.5 पेड़ मर जाते हैं, क्योंकि बिजली एक पेड़ से दूसरे पेड़ों तक फैल जाती है। वैज्ञानिकों ने ये डाटा लेकर पूरी दुनिया के जंगलों पर गणितीय मॉडल से लागू किया। साथ ही सैटेलाइट और जमीन से मिली जानकारी को भी मिलाया। इससे पता चला कि हर साल 28.6-32.8 करोड़ बार बिजली जमीन पर गिरती है और इससे 30 से 34 करोड़ पेड़ मरते हैं। बिजली गिरने से बड़े पेड़ काफी संख्या में मरते हैं। हर साल 2.4-3.6 करोड़ बड़े पेड़ इसकी चपेट में आते हैं। बड़े पेड़ 60 सेमी से ज्यादा मोटे तने वाले होते हैं। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से अब बिजली उत्तरी और ठंडी जगहों में भी ज्यादा गिरेगी। इससे भविष्य में बड़े पेड़ों की मौत 9-18 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

प्रत्यूष

मुरझा गई कोंपलें

प्रिया देवांगन 'प्रियू'

माँ! हमें नदी किनारे बसना था न? कम से कम पानी तो मिल जाता। यहाँ तो कोई इंसान हमें झाँकने तक नहीं आता। नीम का पौधा चिंता व्यक्त करते हुए अपनी माँ से बोला। कोई बात नहीं बेटा, जितना मिले उतने में ही खुश रहना चाहिए। नीम संक्षिप्त उत्तर दे कर शांत हो गई।

ये बात तो ठीक है नीम बहन..... लेकिन आज कल हम सभी का जीवन खतरे में हैं। कब सरकारी आर्डर आए और हम पर बुलडोजर चल जाए। बाईं ओर से अशोक के पेड़ ने अपने पत्ते हिलाते हुए नीम से कहा।

बरगद, नीम, बाँस, शीशम और अन्य पेड़ भी साथ ही रहते थे। सब ने अपना-अपना पक्ष रखा।

पहले कितना अच्छा वातावरण था; लोग गर्मी के दिनों में हमारे नज़दीक बैठते थे। हमसे शुद्ध ऑक्सीजन लेते थे। अब तो हमें ही ऑक्सीजन की जरूरत सी महसूस होने लगी है। सही कहा बहन आपने; बाँस ने सहमति दी।

खैर..... हमें तो ईश्वर का आशीर्वाद मिला है बहन....! बरगद के पेड़ ने कहा। उसी समय नीम का पौधा बोला वो कैसे बरगद काका?

बरगद ने हँसते हुए कहा- बेटा! हम तो ऐसे पेड़ हैं जो स्वयं उग आते हैं, हमें बाकी पेड़ों की तरह रोपने या लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। स्वावलंबी होकर बढ़ते हैं, समझे बच्चे! बरगद अपनी शाखा से छोटे नीम को सहलाते हुए बोला।

हाँ! काका लेकिन आजकल मनुष्य नज़र ही नहीं आते हैं। हमसे तो दूर ही रहते हैं बस, सफर करते समय वाहन से झाँक लेते हैं। या कभी पिकनिक के नाम पर आकर झूठन छोड़ जाते हैं। अब कभी आए तो हम भी उनको छाया नहीं देंगे। रूठे स्वर में नन्हा नीम बोला।

तभी उसकी माँ बोली- नहीं-नहीं बेटा हम स्वार्थी नहीं हो सकते। अगर हम स्वार्थी हुए तो भला उनमें और हम में क्या फ़र्क रह जाएगा?

हाँ नीम जीजी! आप भले ही लोगों के लिए कड़वी दवाई हैं लेकिन आपको जो स्वीकार कर लेता है उनके लिए जीवनदायिनी भी तो हो। धन्य हैं आप! शीशम के पेड़ ने नीम के सामने सिर झुका कर कहा। नीम ने कहा- 'अरे हम सभी जीव-जगत के लिए उपयोगी हैं। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। हम न केवल ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि तापमान भी नियंत्रित करते हैं, जैव विविधता को सुरक्षित रखते हैं, मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार करते हैं, जलस्तर बनाए रखते हैं, भूमि का कटाव रोकते हैं। फल-फूल और औषधियां तो देते ही रहे हैं। आयु पूरी होने पर जलावन भी देते हैं। अब हमारे सत्कर्म को कोई न समझे तो उसमें हमारा क्या कसूर?'

अरे! आज इतनी चहल-पहल कैसे? वो भी इस सड़क किनारे, जहाँ कोई वाहन रुकना भी पसंद नहीं करता। सड़क किनारे के पेड़ों की नई कोंपलें बोलीं।

तभी; खेर का पेड़ बोला- आज शाम तक ऐसा ही रहेगा। न जाने कितने ही लोग आयेंगे, फोटो खिंचवाएँगे, अखबार में छपने के लिए।

हाँ! बच्चों यहाँ आज तुम्हारे नए-नए साथी भी रोपण के लिए आयेंगे। ये हर साल का लोगों का आडंबर है। फिर.....कल हम रहें या न रहें, झाँकने तक नहीं आएँगे। नाराज़गी जताते हुए बरगद बोला।

उसी क्षण पाँच- मंत्रीगण आए और खाली जगह एक शीशम का पौधारोपते हुए बोले- आओ सभी; हाथ लगा दो एक फोटो ले लेते हैं। अगले साल नीम, शीशम और बरगद के पुराने पेड़ों की कटाई का आर्डर देना पड़ेगा। रास्ता जाम कर बैठे हैं, जड़ें ज्यादा फैल गई हैं; सड़क के चौड़ीकरण में दिक्कत आएगी।

पसीने से तर-ब-तर सभी नेता-अधिकारी पेड़ की छाया में बैठ बातें करने लगे।

ये बातें सुन कर नीम के साथ-साथ जितनी भी नई कोंपलें थीं, मुरझाने लगीं।

सलाह

बिवाइयों का उपचार

सर्दियों में शरीर में चिकनाई और विटामिन्स की कमी होने से पैरों की ऐड़ियों में पतली-पतली दरारें पड़ जाती हैं, जिस कारण ऐड़ियां फटी हुई दिखाई देती हैं। वैसे पानी में बार-बार पैर भीगने तथा मौसम में गलन बढ़ जाने से भी ये फट जाती हैं। कई बार तो फटी ऐड़ियों में इतना दर्द होता है कि चलने-फिरने में भी मुश्किल होती है। इन फटी ऐड़ियों का फटापन कैसे दूर करें, आइए जानते हैं-

■ रात में फटी ऐड़ियों को गुनगुने पानी से धोकर, पौंछकर वैसलीन या सरसों के तेल की मसाज कर, जुराब पहल कर सोएं।

■ देशी घी और नमक मिलाकर बिवाइयों पर मलें। इससे ऐड़ियों की त्वचा कोमल रहती हैं।

■ रात को सोते समय ग्लिसरीन में कुछ नीबूं का रस मिलाकर हाथ- पैरों की मालिश करें और सुबह गुनगुने पानी से उन्हें रगड़ कर धोलें। कुछ दिनों में त्वचा सामान्य हो जाएगी।

■ सर्दियों में अधिक खट्टी चीजों का सेवन करने से भी ऐड़ियां फटने लगती हैं, इसलिए खट्टी चीजों का सेवन कम करें।

■ फटी ऐड़ियों का सौन्दर्य निखारने के लिए गुलाब का एक ताजा फूल, 25-30 तुलसी की पत्तियां और 3 लौंग को मिलाकर पीस लें। तैयार पेस्ट को ऐड़ियों पर मलने के बाद रूई युक्त कपड़े की पट्टी बांध लें। फटी ऐड़ियों फिर से निखरने लगेंगी।

कन्हैयालाल साहू
डायरेक्टर
9660846518

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

जितेन्द्र साहू
डायरेक्टर
9928521329

RS

RAMJI SWEETS

शादी एवं पार्टियों के ऑर्डर लिए जाते है

होलसेल व रिटेल : शुद्ध देशी घी की मावे की एवं बंगाली मिठाइयां, स्पेशल स्पंजी रसगुल्ला

युनिवर्सिटी मैन रोड, उदयपुर- 313001 (राज.)

प्रत्यूष

सर्दी में सेहत बनाते पांच लड्डू

आयुर्वेद में सर्दी और बीमारियों से बचाव के लिए कई तरह के पाक का उल्लेख है। इसमें अश्वगंधा, पाक, सौंठ (सुठी) पाक, मैथी, हल्दी और अजवाइन पाक आदि शामिल हैं। इसी को बर्फी या लड्डू के रूप में बनाकर खाने से सर्दी से जुड़े रोगों में लाभ मिलता है और शरीर चुस्त-दुरुस्त रहता है।

ओमप्रकाश दाधीच

अश्वगंधा लड्डू: शक्ति व मति के लिए

अश्वगंधा शरीर के तीन महत्वपूर्ण अंगों को मजबूती देता है। यह बुद्धि बढ़ाने के साथ मांसपेशियों, हड्डियों और नर्वस को भी मजबूती देता है। यह इम्युनिटी बढ़ाने के साथ हृदय के लिए भी अच्छा है।

कैसे बनाएं – एक किलोग्राम मूंग या गेहूं के आटे को अच्छे से घी में भून लें। फिर इसमें 100 ग्राम अश्वगंधा पाउडर, 50 ग्राम गोंद, 400 ग्राम गुड़ और 500 ग्राम घी के साथ कुछ सूखे मेवे डालकर लड्डू बना लें।

कितनी मात्रा में खाएं – इसको सुबह शाम 50–50 ग्राम की मात्रा में खाएं। वयस्क 100–100 ग्राम की मात्रा में भी ले सकते हैं।

दानामेथी के लड्डू: वायु विकार से बचाव

दानामेथी के लड्डू वायु विकार जैसे हड्डियों, कमर और जोड़ों के दर्द व सूजन, पाचन व कब्ज से राहत देते हैं। मेथी में पाया जाने वाला रेजिम गोंद का काम करता है, जो कैल्शियम की क्षति को रोकता है।

कैसे बनाएं – रात में 500 ग्राम मेथी को एक लीटर दूध में भिगो दें। इसे सुखाकर पाउडर बना लें। फिर 500–500 ग्राम भूना आटा, घी व गुड़ में मेथी पाउडर मिलाकर लड्डू बना लें।

कितना खाएं – 100 ग्राम मात्रा में खा सकते हैं। बच्चों को कम मात्रा में दें।

सौंठ लड्डू: दूर करें वात विकार

ये लड्डू वात विकारों जैसे शरीर में दर्द, पेट में गैस, भूख कम लगना, ऐसा दर्द जो शरीर में घूमता हो, महिलाओं में डिलीवरी के बाद शरीर में होने वाले नुकसान से बचाते हैं। शरीर को डिटॉक्स भी करते हैं। डिलीवरी के बाद महिलाएं सौंठ, गोंद और बूरा के भी लड्डू खा सकती हैं।

दूध में भिगोकर बनाएं। सौंठ की गांठों को रातभर के लिए दूध में भिगोने के बाद अगले दिन उन्हें घी में तलकर चूर्ण बना लें। फिर एक किलोग्राम मूंग या गेहूं के आटे को भूनकर उसमें 100 ग्राम सौंठ चूर्ण मिलाएं। इसमें भी 500– 500 ग्राम घी और गुड़ मिलाकर लड्डू बना लें।

50–100 ग्राम खाएं – इन्हे 50–50 ग्राम की मात्रा में सुबह–शाम खा सकते हैं। नई माताएं 100–100 ग्राम भी खा सकती हैं।

गोंद लड्डू: हड्डियां बने मजबूत

गोंद के लड्डू खाने से न केवल मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। बल्कि हड्डियों से जुड़े रोगों व दर्द में भी आराम मिलता है। भूख बढ़ने के साथ ही पाचन भी ठीक रखता है। ऑस्टियोपोरोसिस के रोगियां के लिए बहुत लाभदायक हैं। इन लड्डूओं को गर्भवती महिलाएं भी खा सकती हैं।

कैसे बनाएं – एक किलोग्राम जौ के आटे को घी में अच्छे से सेंक लें। इसमें 100 ग्राम की मात्रा में गोंद को तल कर मिलाएं। इसमें 400–500 ग्राम गुड़, 500 ग्राम देसी घी और स्वाद अनुसार सूखे मेवे मिलाएं। 50–50 ग्राम के आकार में छोटे–छोटे लड्डू बना लें। इनको सुबह–शाम एक गिलास दूध से खाएं। जिन्हें पाचन की दिक्कत होती है, वे 10–10 ग्राम की मात्रा में काली मिर्च, सौंठ और पीपल भी मिला सकते हैं। इनके प्रयोग से मौसमी बीमारियों से बचाव होता है।

कितनी मात्रा में खाएं- गोंद के लड्डू 100–250 ग्राम की मात्रा में खा सकते हैं लेकिन पाचन पर निर्भर करता है। छोटे बच्चों को आधी मात्रा में दें। गर्भवती महिलाएं और बुजुर्गों को ज्यादा खाना चाहिए। चालीस वर्ष की उम्र के बाद से हर व्यक्ति को पूरी सर्दी इन लड्डूओं का प्रयोग करना चाहिए। *(लेखक वरिष्ठ आयुर्वेद विशेषज्ञ हैं।)*

अजवाइन-हल्दी लड्डू: एलर्जी रोके

यह पेट से जुड़ी बीमारियां जैसे गैस व गोला बनने, एलर्जी, कमर दर्द, रायनाइटिस, साइनस, चर्म रोग, मौसमी बीमारियों से बचाव करता है। इम्युनिटी बढ़ाता और खून को भी साफ करता है।

ऐसे बनाएं – 100–100 ग्राम अजवाइन और हल्दी पाउडर में 800 ग्राम भूना आटा मिलाएं। फिर इसमें 500–500 ग्राम घी व गुड़ के साथ 50 ग्राम गोंद और 10–10 ग्राम कालीमिर्च और पीपल मिलाकर लड्डू बना लें।

कितना खाएं – 50–50 ग्राम की मात्रा में किसी भी समय ले सकते हैं।

सावधानी

सदी के लड्डूओं की तासीर गरिष्ठ होती है। इन्हें खाने के बाद जब भूख लगे तभी खाना खाएं, नहीं तो गुणवत्ता कम होगी। पाचन भी बिगड़ सकता है। साथ में खट्टी–ठंडी चीजें जैसे दही, छाछ, अचार, अमचूर, जंक फास्ट फूड, मैदा, मावा बेसन और मेवे की मिठाइयां भी नहीं खाएं।

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

आर्थिक रूप से यह माह उतार–चढ़ाव भरा रहेगा, खर्च बढ़ेंगे, पारिवारिक जीवन ठीक–ठाक रहेगा, सेहत के मामले में सावधानी बरतनी होगी, माह के उत्तरार्ध में भाग्य का साथ मिलेगा, यात्रा या विदेश गमन के योग भी बन सकते हैं, व्यापार में उन्नति होगी।

वृषभ

सरकारी क्षेत्रों में लाभ मिल सकता है, विद्यार्थी वर्ग को सफलता मिलेगी, माह का पूर्वार्द्ध फलदायी सिद्ध होगा। माह के उत्तरार्द्ध में चुनौतियां एवं परेशानियाँ संभव है, पारिवारिक जीवन में उतार–चढ़ाव एवं सामंजस्य की कमी रहेगी। आर्थिक पक्ष ठीक–ठाक रहेगा, किसी रोग की चपेट में आ सकते हैं।

मिथुन

व्यापार करने वाले जातकों को अच्छा लाभ मिलेगा, रूके हुए कार्य पूरे होंगे, पुरूषार्थ से कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, वैवाहिक संबंधों में नयी ऊर्जा रहेगी, विद्यार्थी वर्ग के लिए यह माह सकारात्मक है। निष्पादित काम को प्रतिष्ठा मिलेगी, वरिष्ठजन प्रसन्न रहेंगे।

कर्क

घर–परिवार में मांगलिक कार्य होंगे, धार्मिक कार्यों पर खर्चा भी होगा। व्यापार और आय में निरंतर वृद्धि होगी। माह के उत्तरार्द्ध में खर्चों की अधिकता रहेगी, पेट से संबंधित समस्या भी उभर सकती है, नौकरी में बदलाव का अच्छा समय है, सम्मान मिलेगा।

सिंह

स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतें। पारिवारिक मामलों में उतार–चढ़ाव होता रहेगा। महीने का उत्तरार्द्ध अपेक्षाकृत अधिक अनुकूल रहने की संभावना है। व्यापार में जोखिम लेने से बचें, नौकरी पेशा जातकों को अच्छा फल मिलेगा, आय उत्तम रहेगी।

कन्या

नौकरी में सफलता रहेगी, व्यापार में भी उन्नति के योग हैं। लंबी यात्राओं से लाभ रहेगा, व्यापार में दीर्घकालिक संबंध स्थापित होंगे, स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। आर्थिक स्थिति में उतार–चढ़ाव रहेगा, गला, कान एवं कंधों से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

तुला

नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग हैं। पुराने अनुभवों का लाभ भी मिलेगा। व्यापार करने वाले जातकों के लिए समय अनुकूल रहेगा, अपने पराक्रम से प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे, एसिडिटी और पाचन तंत्र की समस्या से पेरशानी रहेगी।

इस माह के पर्व/त्योहार

1 दिसंबर	मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी	श्रीगीता जयंती
3 दिसंबर	मार्गशीर्ष शुक्ल त्रयोदशी	विश्व विकलांग दिवस / डॉ. राजेंद्र प्रसाद जयंती
4 दिसंबर	मार्गशीर्ष शुक्ल चर्तुदशी	नौ सेना दिवस / - पूर्णिमा / दत्तात्रेय जयंती
10 दिसंबर	पौष कृष्ण षष्ठी	विश्व मानवाधिकार दिवस
14 दिसंबर	पौष कृष्ण दशमी	श्रीपार्श्वनाथ जयंती
22 दिसंबर	पौष शुक्ल द्वितीया	उर्स- ख्वाजा साहब / अजमेर
23 दिसंबर	पौष शुक्ल तृतीया	किसान दिवस / चौ. चरण सिंह जयंती
25 दिसंबर	पौष शुक्ल पंचमी	क्रिसमिस डे / अटल बिहारी जयंती / पं. मदन मोहनमालवीय जयंती
27 दिसंबर	पौष शुक्ल सप्तमी	गुरू गोविंद सिंह जयंती

वृश्चिक

क्रोध पर नियंत्रण रखना एवं अहम भाव से भी बचना होगा, कार्य क्षेत्र में मन कम लगेगा, जिससे काम में गड़बड़ी होने की शिकायत हो सकती है, नौकरी बदलने का विचार मन में आ सकता है। व्यापार में सफलता मिलेगी, विद्यार्थी वर्ग को कड़ी मेहनत की आवश्यकता है आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा।

धनु

व्यापार करने वाले जातकों के लिए माह की शुरूआत अच्छी रहेगी, नौकरी पेशा जातकों को कार्य के सिलसिले में भागदौड़ और लंबी यात्राएं करनी पड़ सकती है। पारिवारिक जीवन में स्थायित्व आयेगा, महिने का उत्तरार्द्ध अपेक्षाकृत अनुकूल रहेगा, आर्थिक पक्ष सामान्य आँख, पेट एवं पित्त रोग से परेशानी संभव।

मकर

आय पक्ष में वृद्धि होगी एवं नये आर्थिक स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आपसे वरिष्ठ आपके कार्य की प्रशंसा करेंगे, व्यापार में उन्नति के अच्छे योग बनेंगे। महिने के उत्तरार्द्ध में शारिरीक समस्याओं से घिरे रह सकते हैं, विदेश यात्रा के याग भी बनेंगे, विद्यार्थी वर्ग को निरंतर अध्ययन बनाए रखना आवश्यक है।

कुम्भ

कार्य क्षेत्र में सफलता मिलेगी, वरिष्ठ अधिकारियों का सानिध्य मिलेगा। व्यवसाय में उतार–चढ़ाव के बाद माह के उत्तरार्द्ध में लाभ के योग बनेंगे, स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से महिना उतार–चढ़ाव से भरा रहेगा। आय में अप्रत्याशित रूप से वृद्धि होगी, एक से अधिक माध्यमों से धन प्राप्ति के योग बनेंगे।

मीन

महिने के उत्तरार्द्ध में कार्य क्षेत्र में आपकी स्थिति प्रबल रहेगी। अप्रत्याशित व्यय परेशान कर सकता है। स्वास्थ्य में कोई संक्रमण आपको परेशानी में डाल सकता है। विद्यार्थी वर्ग के लिए माह उत्तम है, व्यवसाय में यात्राएं लाभप्रद रहेंगी, धन के समुचित प्रबंधन पर ध्यान देना होगा।

प्रत्यूष समाचार

बड़ाला क्लासेज ने फिर रचा इतिहास

उदयपुर। सीए फाउंडेशन और इंटरमीडिएट सितम्बर 2025 परीक्षा के परिणाम बड़ाला क्लासेज के विद्यार्थियों में शानदार प्रदर्शन किया। सीए फाउंडेशन में बड़ाला क्लासेज के छात्रों ने पहला पांच रैंक ही अपने नाम कर लिया। जोयल ढेलावत ने 321 अंक के साथ टॉप किया। इसके बाद कृषि चौधरी 307 अंक, वीरेन जैन 304 अंक, कल्पेश छाजेड़ 293 अंक और मुबारका मोईवाला 289 अंक के साथ टॉप 5 में शामिल हुई। कुल 103 छात्रों ने परीक्षा पास की। मोहित जोशी 407 अंक लेकर टॉप पर रहे। मंथन भंसाली 386 अंक और उज्जवल चतुर्वेदी 380 अंक के साथ आगे रहे। कुल 26 विद्यार्थियों ने दोनों ग्रुप पास किए। इस वर्ष बड़ाला क्लासेज ने कुल 12 ऑल इंडिया रैंक हासिल किए। सीएस एक्जीक्यूटिव में भी लगातार दूसरी बार पहला ऑल इंडिया रैंक बड़ाला क्लासेज के नाम रहा। निदेशक सीए राहुल बड़ाला, सीएस सौरभ बड़ाला और सीए निशांत बड़ाला ने विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि छात्रों की मेहनत और संस्थान की गुणवत्ता का परिणाम है।

रॉयल इंस्टीट्यूट के साजन को मेवाड़ गौरव सम्मान

उदयपुर। मेवाड़ गौरव सम्मान 2025 का आयोजन सिटी पैलेस में किया गया। इसमें लगातार तीसरी बार मेवाड़ गौरव सम्मान रॉयल इंस्टीट्यूट उदयपुर के छात्र साजन खान को संपूर्ण राजस्थान में जेई-टी 2025 में प्रथम रैंक लाने पर प्रदान किया गया। संस्थान निदेशक जीएल कुमावत ने बताया कि संस्थान के छात्रों ने लगातार तीसरी बार सम्मान प्राप्त किया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया थे। इस अवसर पर डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ भी मौजूद रहे।

ग्रैंड कॉन्टिनेंट- ए लग्जरी कलेक्शन का उद्घाटन

उदयपुर। ग्रैंड कॉन्टिनेंट होटल्स लिमिटेड ने ग्रैंड कॉन्टिनेंट-ए लग्जरी कलेक्शन उदयपुर का गत दिनों शुभारंभ ग्रैंड कॉन्टिनेंट होटल्स लिमिटेड के संस्थान और प्रबंध निदेशक रमेश शिवा, डायरेक्टर विद्या रमेश, सीएफओ मिथुन जयरमन, सीओओ अभिजीत श्रीवास्तव और समाजसेवी धर्मपाल डेम्बला ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर ग्रैंड कॉन्टिनेंट होटल्स लिमिटेड के प्रेसिडेंट संजयकुमार दास, उदयपुर के जनरल मैनेजर अंकुश कटवाल, विशाल डेम्बला, प्रीत डेम्बला भी उपस्थित थे। ग्रैंड कॉन्टिनेंट होटल्स लिमिटेड के संस्थापक और प्रबंध निदेशक रमेश शिवा ने कहा कि हमें उदयपुर में अपना 25वां होटल लॉन्च करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

प्रवीण झंवर को यंग अचीवर्स अवार्ड

उदयपुर। भीलवाड़ा में आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) की राजस्थान शाखा के 49वें वार्षिक अधिवेशन राजपेडिकोन 2025 में पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. प्रवीण झंवर को यंग अचीवर्स अवार्ड से नवाजा गया। डॉ. झंवर को यह सम्मान बाल सर्जरी (पीडियाट्रिक सर्जरी) के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान और नवाचारों के लिए प्रदान किया गया। समारोह में आईएपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. बसंत कालटकर, सुप्रसिद्ध गैस्ट्रोएंट्रालॉजिस्ट डॉ. नीलम मोहन और राष्ट्रीय सचिव डॉ. योगेश पारीक उपस्थित थे। जिन्होंने डॉ. प्रवीण को यह सम्मान प्रदान किया।

अखिलेश जोशी की बायोग्राफी का विमोचन

उदयपुर। राजस्थान माइंस एंड मिनरल्स के स्वतंत्र निदेशक एवं हिंदुस्तान जिंक के पूर्व सीईओ अखिलेश जी जोशी की बायोग्राफी माइनिंग और मेरा जीवन का विमोचन गत दिनों पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने किया। उन्होंने पुस्तकों को नईपीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि जोशी ने जीवन के कठिन रास्तों से गुजरते हुए लक्ष्य हासिल किया। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य प्रो. गौरव वल्लभ ने पुस्तक का परिचय दिया। उन्होंने कहा कि कुछ भी मौजूद होना खालीपन से बेहतर है और अर्थहीन चीजों से बेहतर है कि कुछ भी न हो। पुस्तक के लेखक जोशी ने कहा कि ज्ञान और अनुभव बांटना हमारी जिम्मेदारी है। हम सब अपने-अपने क्षेत्रों में वर्षों के संघर्ष के बाद निखरते हैं।

प्रो. शर्मा को प्रकृति प्रेमी अवार्ड

उदयपुर। प्रकृति रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित सेमिनार में प्रोफेसर विमल शर्मा को प्रकृति प्रेमी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पत्रकारों को सूत्रधार सम्मान

उदयपुर। रोटरी क्लब उदय की ओर से ओरियंटल पैलेस रिसोर्ट में वर्ष 2025-26 का वोकेशनल अवार्ड समारोह सूत्रधार पत्रकार सम्मान के रूप में संपन्न हुआ। इसमें शहर के 27 पत्रकारों का सम्मान किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक राहुल भटनागर, विशिट अतिथि सहायक प्रांतपाल राजेश चुघ, क्लब सलाहकार डॉ.सीमा सिंह एवं नर्मदा फूड्स के निदेशक अनिकेत शर्मा थे। प्रारंभ में क्लब अध्यक्ष राघव भटनागर ने रोटरी के कार्य एवं उद्देश्यों की जानकारी दी।

इनका हुआ सम्मान: भारत शर्मा, राजेन्द्र सिंह झाला, कैलाश सांखला, अनूप पाराशर, पंकज वैष्णव, मनीष जोशी, कृष्णगोपाल वैष्णव, राजेश वर्मा, राकेश शर्मा राजदीप, संजय खाब्या, भूपेन्द्र चौबीसा, आमिर मोहम्मद शेख, चेतन व्यास, मोहसीना बानू, सुनील गोठवाल, रिमझिम शर्मा, गोपाल लोहार, कुलदीप सिंह गहलोत, आनंद शर्मा, विप्लव कुमार जैन, रामसिंह चंदाणा, दिनेश गोठवाल, आरजे अर्पित, महेन्द्रसिंह राठौड़, विकास माली व सुनील कालरा।

अर्थ डायग्नोस्टिक गुणवत्ता की मिसाल है : गावस्कर

उदयपुर। दिल्ली में आयोजित समारोह में पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने अर्थ डायग्नोस्टिक्स की उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना करते हुए सीईओ डॉ. अरविंदरसिंह को गुणवत्ता, नवाचार और रोगी-केंद्रित सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता के लिए बेस्ट डायग्नोस्टिक सर्विसेज अवॉर्ड प्रदान किया। डॉ. सिंह ने बताया कि यह अवॉर्ड अर्थ डायग्नोस्टिक्स के उस सतत प्रयास का परिणाम है, जिसमें गुणवत्ता, नई तकनीक और मानवीय सेवा एक साथ चलते हैं। यह सम्मान प्राप्त करना अर्थ की निष्ठा और उत्कृष्ट कार्य संस्कृति का प्रमाण है।

सिंधी धर्मशाला की नई कार्यकारिणी

उदयपुर। गुलाब बाग रोड स्थित सिंधी धर्मशाला में सिंधी धर्मशाला एसोसिएशन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संरक्षक मनोहर गुरानी ने की, जबकि अध्यक्ष किशोर सिधवानी ने आगामी तीन वर्ष (2025-27) के कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की। अध्यक्ष सिधवानी ने बताया कि एसोसिएशन की नई टीम में मुकेश खुबचंदानी को कोषाध्यक्ष, सुदामामल वीरवानी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हरीश सिधवानी और किशन वाधवानी को उपाध्यक्ष, राजेश चुग को महासचिव, प्रकाश रूचंदानी को सचिव, नरेश राजानी को संगठन एवं कानून मंत्री, राकेश बजाज, को निर्माण मंत्री, तथा सुनील कालरा को मीडिया प्रभारी पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। महासचिव राजेश चुग ने बताया कि आने वाले छह माह में शहर के मध्य स्थित सिंधी धर्मशाला का पूर्ण नवीनीकरण किया जाएगा। उपाध्यक्ष हरीश सिधवानी ने बताया कि इस कार्य के लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया गया है, जिसकी कमान उपाध्यक्ष किशन वाधवानी को सौंपी गई है।

अनुष्का ग्रुप के विद्यार्थियों का आरएएस में चयन

उदयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित आरएएस 2023 परीक्षा परिणाम में उदयपुर स्थित अनुष्का ग्रुप के 8 विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित कर संभाग का नाम रोशन किया है। चयनित अभ्यर्थियों में पिंकी स्वर्णकार, शीतल मीणा, दिव्या असोडा, भूपेंद्र वसी, हर्षिता बिलोलिया, निर्मल चौबीसा, सुमित लबाना एवं प्रकाश गमेती शामिल हैं। संस्थान के संस्थापक डॉ. एस.एस. सुराणा ने कहा कि यह 'उपलब्धि विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम, दृढ़ निश्चय और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम है। संस्थान निदेशक राजीव सुराणा ने बताया कि विद्यार्थियों को सेवानिवृत्त आईएएस एवं सिविल' अधिकारियों के मार्गदर्शन में साक्षात्कार की व्यवस्थित रूप से तैयारी करवाई गई। उन्होंने बताया कि दिव्या असोडा ने 29, पिंकी स्वर्णकार ने 195, शीतल मीणा ने 32, हर्षिता बिलोलिया ने 80 व निर्मल चौबीसा ने 2 रैंक हासिल की। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह का संचालन प्रणय जैन द्वारा किया।

डॉ. दीपा सिंह सम्मानित

उदयपुर। जयपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में अर्थ स्किन की निदेशक डॉ. दीपा सिंह को क्लीनिकल कोस्मेटोलॉजी, मेडिकल लेज़र तथा एस्थेटिक्स के लिए राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सम्मानित किया। यह सम्मान डॉ. सिंह के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त योगदान, नवीन तकनीक के प्रयोग और उत्कृष्ट रोगी सेवा के लिए प्रदान किया गया। डॉ. दीपा सिंह ने कॉस्मेटोलॉजी और लेज़र उपचार को एक नई पहचान दी है। उन्होंने वैज्ञानिक दृष्टिकोण, आधुनिक उपकरणों और व्यक्तिगत परामर्श के माध्यम से सौंदर्य चिकित्सा को सुरक्षित, प्रभावी और सुलभ बनाया है। दो विश्व रिकॉर्ड धारक और ब्रिटिश पार्लियामेंट से अवार्ड प्राप्त डॉ. दीपा सिंह को लेज़र क्वीन, लेज़र आइकॉन जैसे टाइटल से पहले भी सम्मानित किया जा चुका है।

कप्पू बने अध्यक्ष

उदयपुर। सिख समाज सेवा समिति की बैठक सिख कॉलोनी में हुई। पूर्व सचिव आयुष अरोड़ा ने बताया बैठक में सर्वसम्मति से रविन्द्रपाल सिंह कप्पू को दो वर्ष के लिए समिति का अध्यक्ष चुना गया। अरोड़ा ने बताया कि उनकी प्राथमिकता समाज के गरीब बच्चों को पढ़ाना, रक्तदान व निशुल्क चिकित्सा शिविर लगवाना रहेगी।

डॉ. शास्त्री सद्भावना मंच के प्रदेश संयोजक

उदयपुर। भारतीय सद्भावना मंच के राष्ट्रीय सलाहकार डॉ. अर्जुन मूंदड़ा ने समाजसेवी और राजस्थान गौरव सम्मान से सम्मानित डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री को मंच का राजस्थान प्रदेश संयोजक नियुक्त किया है। यह मनोनयन संरक्षक महर्षि डॉ. इन्द्रेश कुमार के परामर्श और राष्ट्रीय संयोजिका साध्वी मां कल्पना अरुंधति की अनुशंसा पर किया गया।

स्वागत द्वार सजावट में अप्सरा टेंट अव्वल

उदयपुर। दीपावली पर्व पर शहर को आकर्षक रोशनी और रंगों से सजाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं नगर निगम उदयपुर की ओर से आयोजित स्वागत द्वार सजावट प्रतियोगिता के परिणाम पिछले दिनों घोषित किए गए। प्रतियोगिता में शहर के प्रमुख चौराहों पर लगाए गए 36 सजावटी द्वारों में से विजेताओं का चयन निर्णायक मंडल ने किया। प्रतियोगिता में प्रथम श्रेणी में 10 और द्वितीय श्रेणी में 26 टेंट व्यवसायियों ने भाग लिया था। प्रथम-द्वितीय श्रेणी के 6 विजेताओं को 4 लाख 57 हजार रुपए के नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। शेष अन्य प्रतिभागियों को भी 15-15 हजार रुपए के

नकद पुरस्कार दिए गए।

प्रथम श्रेणी के विजेता

स्थान	प्रतिष्ठान	इनाम राशि
प्रथम	अप्सरा टेंट	1,25,000
द्वितीय	राज कमल टेंट	1,00,000
तृतीय	डेकोर टेंट	75,000

द्वितीय श्रेणी में ये जीते

स्थान	प्रतिष्ठान	इनाम राशि
प्रथम	विनायक टेंट	75,000
द्वितीय	राज लक्ष्मी टेंट	51,000
तृतीय	शर्मा टेंट	31,000

शेष प्रतिभागियों को 15000-15000 रूपए के प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए।

पेसिफिक, बेदला में नए आईसीयू ब्लॉक

उदयपुर। बेदला स्थित पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में नए आईसीयू ब्लॉक का उद्घाटन हुआ। पीएमसीएच के चेयरमैन राहुल अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर अमन अग्रवाल, डॉ. कमलेश भट्ट, डॉ. चेतन गोयल ने उद्घाटन किया गया। बताया गया कि 16 बेड का यह आईसीयू ब्लॉक अत्याधुनिक उपकरणों से लैस है, जो विशेष रूप से गंभीर मरीजों के उपचार के लिए बनाया गया है। इसमें उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा देखभाल के लिए अनुभवी डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की टीम रहेगी। कार्यकारी निदेशक ने कहा कि पीएमसीएच अस्पताल लगातार प्रौद्योगिकी और चिकित्सा सेवाओं में नवाचार करता रहता है। नया आईसीयू ब्लॉक भी इसी का हिस्सा है। डॉ. कमलेश भट्ट ने कहा कि यह आईसीयू केवल एक भव्य इमारत नहीं, बल्कि मरीजों के जीवन की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट डॉ. गोयल ने कहा कि आईसीयू के हर बेड को व्यक्तिगत और प्रभावी देखीभाल सुनिश्चित करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया है।

स्वतंत्रता सेनानी दम्पती की मूर्तियों का अनावरण

उदयपुर। राजस्थान महिला परिषद में स्वतंत्रता सेनानी दम्पती परशराम त्रिवेदी और शांता त्रिवेदी की मूर्तियों का अनावरण किया गया। मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया थे। अध्यक्षता पूर्व विधायक मोहन प्रकाश ने की। अतिविशिष्ट अतिथि निवृति कुमारी मेवाड़, विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद रघुवीर मीणा, विधायक ताराचंद जैन, चावंड आश्रम के स्वामी हितेश्वरानंद सरस्वती, विद्यापीठ विवि के कुलगुरु प्रो. एसएस सारंगदेवोत थे। इससे पहले संस्था की हीरक जयंती के तहत उद्घाटन और शांता त्रिवेदी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। परिषद अध्यक्ष चंद्रकांता त्रिवेदी, निदेशक राज श्रीमाली, सचिव दिव्या जौहरी, कोषाध्यक्ष अक्षिता त्रिवेदी, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली मौजूद थे। इस दौरान जगदीशराज श्रीमाली का अभिनंदन किया गया। समारोह में शंकरलाल शर्मा की पुस्तक कीर्ति काव्य संग्रह का विमोचन भी हुआ।

मालदास स्ट्रीट व्यापारिक संस्था ने ली शपथ

उदयपुर। मालदास स्ट्रीट व्यापारी संस्था का शपथ ग्रहण समारोह फतहसागर स्थित एक निजी रिसोर्ट में हुआ। मुख्य अतिथि चेंबर ऑफ कॉमर्स उदयपुर डिवीजन के अध्यक्ष पारस सिंघवी, शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर, पूर्व राज्यमंत्री हरीश राजानी, कांग्रेस नेता पंकज शर्मा थे। संस्था के अध्यक्ष लोकेश कोठारी, महामंत्री अर्पण जैन, कोषाध्यक्ष पवनेश चौधरी सहित सभी पदाधिकारियों को चेंबर ऑफ कॉमर्स उदयपुर डिवीजन के अध्यक्ष पारस सिंघवी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

केसीसीआई ने मनाया दीपावली मिलन

उदयपुर। कलड़वास चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के उद्यमियों का दीपावली स्नेह मिलन निजी होटल में हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष गिरीश शर्मा ने अपने उद्बोधन में कही कि आज के इस युग में परिवार का आपस में मिलना अत्यंत आवश्यक हो गया है। महासचिव प्रभु लाल डांगी ने बताया कि चैंबर के सदस्यों को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर भाजपा जिला मंत्री तुषार मेहता, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मनीष शर्मा, मार्बल एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज गंगावत, पूर्व पार्षद ललिता पैताला, पूर्व पार्षद मुकेश शर्मा उपस्थित थे।

तलेसरा संस्थान का शपथ समारोह

उदयपुर। तलेसरा विकास संस्थान का शपथ ग्रहण और दीपावली मिलन समारोह विज्ञान समिति अशोकनगर में हुआ। संस्थापक अध्यक्ष केपी तलेसरा ने अध्यक्ष पद पर गगन तलेसरा, सचिव हेमंत जैन, उपाध्यक्ष प्रणिता तलेसरा, सहसचिव सुनील तलेसरा, जनसंपर्क सचिव वैभव तलेसरा, सदस्य महेंद्र तलेसरा, जितेंद्र तलेसरा, विनोद तलेसरा, ललित तलेसरा, अमित तलेसरा को शपथ दिलाई। समारोह की अध्यक्षता बीपी जैन ने की। इस मौके पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गई। संयोजन संगीता तलेसरा, प्रियंका तलेसरा, माला तलेसरा ने किया।

प्रत्यूष का नवंबर–25 अंक मिला। मानसिक स्वास्थ्य पर भगवान प्रसाद गौड़ का आलेख अच्छा था। उन्होंने यह सही लिखा कि मन की शुचिता ही सर्वोपरि है। यदि मन ही मैला हो जाए तो विज्ञान भी कुछ नहीं कर सकता। जिसका मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है। वह जिंदगी को खुशनुमा कैसे बना सकता हैं? चुनौतियों से हार कर बैठ जाना किसी समस्या का समाधान नहीं है। इसके लिए बच्चों को शुरू से ही मज़बूत बनाया जाना चाहिए।

अली असगर लच्छावाला,
डायरेक्टर, लच्छावाला ट्रेडर्स

नवंबर–25 का अंक इस बार खेलों को समर्पित है। आवरण भी विश्व पैराएथलेटिक्स चैम्पियन शिप–25 को समर्पित है। एशिया कप की शानदार विजय का विश्लेषण भी अच्छा है। पैरा एथलेटिक्स के अब तक के इतिवृत पर भी प्रशांत अग्रवाल का आलेख बहुत अच्छा था। लेखक की संस्था ने भी राष्ट्रीय स्तर पर कई पैरा गेम्स आयोजित किए हैं। दिव्यांग खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया ही जाना चाहिए। इसके साथ ही पं. जवाहर लाल नेहरू व श्रीमती इंदिरा गांधी के राजनैतिक जीवन पर पंकज शर्मा के आलेख भी अच्छे थे।

अरुण मांडोत, *सीएमडी,*
सन कॉलेज

नवंबर–25 के 'प्रत्यूष' का सम्पादकीय 'मलते रह गए हाथ...' डोनल्ड ट्रम्प की तार–तार हुई पुरस्कार पाने की मंशा पर सटीक विश्लेषण था। शांति दबाव से नहीं आती और न ही दबाव कामयाब होते हैं। वेनेजुएला में लोकतंत्र को जीवन्त रखने के लिए मारिना कोरिना मचाडो का लंबा संघर्ष इस पुरस्कार का सही हकदार है। इसके आगे ट्रम्प की दबाव और सुविधा की राजनीति कहीं नहीं टिकती। केंद्रीय रेल एवं इलेक्ट्रोनिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव का आलेख 'बाज़ारों में जल्द ही स्वदेशी चिप की दस्तक' भी देश की प्रगति के नए आयाम को इगित करने वाला था। इस पत्रिका के रंगीन पृष्ठ बढ़ाने की ज़रूरत है।

प्रदीप शर्मा, *डायरेक्टर, उदयपुर जोन,*
जीएनएम इंफ्रासोल्यूशन प्रा.लि.

'प्रत्यूष' का नवंबर–25 का अंक मिला। राष्ट्र भाषा हिंदी के प्रसार में नाथद्वारा के साहित्य मंडल द्वारा किए जा रहे प्रयास अच्छे लगे। साहित्य मंडल द्वारा देश के साहित्यकारों–लेखकों का प्रतिवर्ष सम्मान अच्छी परंपरा है। इस अंक का सम्पादकीय भी अच्छा लगा। कालजयी 'रामायण' धारावाहिक में हनुमान का किरदार निभाने वाले स्व. दारासिंह के जीवन प्रसंग पढ़कर भी मन आनंदित हुआ। यदि मन में लगन है तो लक्ष्य हासिल करने में कठिनाई नहीं होती।

देवेन्द्र मालीवाल, *सीएमडी*
मारवल्स मार्बल

सुखलाल पुनः अध्यक्ष

उदयपुर। बापू बाजार व्यापारी संघ साधारण सभा की बैठक में सुखलाल साहू पुनः निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्हें नवीन कार्यकारिणी के गठन का अधिकार दिया गया। बाद में साहू ने राजेंद्र पारिख को संरक्षक व नरेंद्र जैन को पुनः महामंत्री मनोनीत किया।

वी. श्रीनिवास बने राजस्थान के मुख्य सचिव

जयपुर। राजस्थान कैडर में 1989 बैंच के आईएएस वी. श्रीनिवास ने राजस्थान के नए मुख्य सचिव के रूप में 17 नवंबर को कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने 14 नवंबर को ही केंद्र में प्रतिनियुक्ति से रिलीव किया गया था। सुधांशु पंत के वापस केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर चले जाने से उनकी यहां नियुक्ति हुई है। श्री निवास को अनेकों विभागों में कार्य का अनुभव है और वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पसंदीदा अफसर हैं। इन्होंने उनके डिजिटल भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया था। श्रीनिवास पाली और जोधपुर में कलेक्टर रहने के बाद राज्य के अनेक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं। रेवेन्यू बोर्ड व टैक्स के बोर्ड के चेयरमैन भी रहे। केंद्र में जसवंत सिंह के विदेश मंत्री और वित्तमंत्री कार्यकाल के दौरान ये उनके निजी सचिव भी रहे। उम्मीद की जा रही है कि उनकी मुख्य सचिव के रूप में नियुक्ति से प्रशासनिक स्तर पर कामकाज में न केवल सुधार होगा बल्कि त्वरितता भी आएगी। उन्हे कर्मठ और ईमानदार अफसर के रूप में देखा जाता रहा है।

डॉ. सरीन आईएपी के नॉर्थ जोन वाइस प्रेसिडेंट बने

उदयपुर। भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी के हाल ही में हुए चुनाव में उदयपुर के वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. देवेन्द्र सरीन नॉर्थ जोन वाइस प्रेसिडेंट के पद पर चुने गए। 25 साल बाद राजस्थान को यह गौरव मिला। डॉ.सरीन अब राष्ट्रीय स्तर पर जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस दौरान वे बाल चिकित्सा से जुड़े विषयों पर राट्रीय स्तर पर सेमिनारों और कॉन्फ्रेंस में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। राजस्थान में इस चुनाव में एग्जीक्यूटिव बोर्ड मेंबर के रूप में डॉ. विष्णु पंसारी, डॉ. बीएल मेघवाल और डॉ. अनुराग तोमर भी निर्वाचित हुए हैं।

छठ पूजा व स्नेह मिलन

उदयपुर। समाज समिति द्वारा छठ पूजा स्नेह मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें विधायक फूल सिंह मीणा, भजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, मंडल अध्यक्ष गजेंद्र अग्रवाल, महेश त्रिवेदी, दीपक बोलिया, पंकज शर्मा, थानाधिकारी अजय सिंह राव आदि की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमा प्रदान की। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद मंच पर तत्वम संगीत संगम की सीमा चौहान एवं विभिन्न कलाकारों द्वारा नृत्य एवं संगीत प्रस्तुत किए गए। समिति के सचिव सुनील कुमार सिंह ने बताया कि बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थिति थे।

प्रेस दिवस पर सूक्ष्म पुस्तिका

उदयपुर। शहर के सूक्ष्म पुस्तिका कलाकार चंद्रप्रकाश चित्तौड़ा ने प्रतिवर्ष 16 नवंबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर प्रेस के महत्व, भारतीय स्वतंत्रता और लोकतंत्र में पत्रकारों के योगदान, उनकी समस्याओं और जोखिम का उल्लेख करते हुए एक सूक्ष्म पुस्तिका बनाई। प्रेस दिवस पर वे पिछले कुछ वर्षों से इस तरह की पुस्तिका बनाने का क्रम जारी रखे हुए हैं।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। श्रीमती हेमलता जी कोठारी (धर्मपत्नी स्व. श्री जोधराज जी) का आकस्मिक स्वर्गवास 23 अक्टूबर को हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र विनोद कोठारी, पुत्री श्रीमती वीना धाकड़, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री भूपाल सिंह जी ओरडिया का 24 अक्टूबर को स्वर्गवास हो गया। अपने पीछे वे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती राजेन्द्र कुमारी, पुत्र सौरभ, पुत्रियां श्रीमती पवन सुराणा, सुरभि चंडालिया, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री बलवंत सिंह जी नलवाया (94) बड़ी सादड़ी वाले का 19 अक्टूबर को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र ललित, रमेश व अशोक, पुत्री मंजू चौधरी, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री व भाई-भतीजों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती मधुजी मेहता धर्मपत्नी श्री चेतनसिंह जी मेहता का 17 अक्टूबर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र नवीन मेहता, पुत्री श्रीमती नीलू जैन, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री, देवर-देवरानी एवं उनका संपन परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री फ्रांसिस फर्नान्डिस का 12 अक्टूबर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती रीता, पुत्रियां कनिका फर्नान्डिस एवं भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री गेबीलाल जी जैन (देवड़ा) का 25 अक्टूबर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती बदामी देवी जी, पुत्र राजकुमार, पुत्री श्रीमती गीता मालवी, पौत्र-पौत्री एवं भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री मिठ्ठालाल जी सिंघवी का 29 अक्टूबर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती सागर देवीजी, पुत्र हितेश सिंघवी, पुत्री नीलू, पौत्री, दोहित्र-दोहित्री व भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री रूपलाल जी गंगावत का देह परिवर्तन 29 अक्टूबर को होगया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र सुरेन्द्रकुमार, हेमेन्द्र व राजेन्द्र कुमार, पुत्री श्रीमती सरोज जैन (मेहता), पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्री व भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। प्रमुख उद्यमी श्री महावीर जी सुराणा का 30 अक्टूबर को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती विमलादेवी जी, पुत्र यश सुराणा, पुत्रियां श्रीमती अनु हिरण, श्रीमती आभा बोल्या व श्रीमती शीतल चोर्डिया, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री व भाई-भतीजों सहित संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। डॉ. कुमुदजी दवे का 23 अक्टूबर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पति श्री प्रदीप जी ठाकुर, पुत्री पूर्वा, पुत्र पुलकित एवं देवर-जेठ का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री अम्बालाल जी बोहरा का 12 अक्टूबर को स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त पुत्र विनोद, पौत्र-पौत्री एवं भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री रोशनलाल जी जैन फांदोत (भीण्डर वाला) का 3 नवम्बर का देह परिवर्तन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती भंवरदेवी जी, पुत्र कुलदीप जैन, पुत्रियां श्रीमती वनमाला वालावत, प्रीतिबाला कंठालिया, पौत्र-पौत्री, दोहित्र-दोहित्री व भाई-भतीजों, बहिन-भानजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

प्रत्यूष परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि

Kothari Designers

Ashok Kothari
Promoter
9461915278

Exclusive Collection of handwork,
Pure Silk and Fancy Sarees,
Kurti Suits, Indo Western Dress

Customise Hand Work and Bulk Sarees
Order at Wholesale Price

18, Court-Road (White-House), Near Shivam-Tiles, Udaipur

Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.

FLAMES RESTAURANT

(Multi Cuisine)
(A Unit of Raghu Mahal Hotels Pvt. Ltd.)
Ph :- 0294-2425694 M.:- 09649466662

Spa-Beer Bar-Banquet Hall

93, Opp. M.B. College, Darshanpura, Airport Road,Udaipur (Raj.) Tel :- 0294-2425690-93
Email :- raghumahalhotels@gmail.com Website :- www.raghumahalhotels.com

St. Anthony's Sr. Sec. School

Affiliated to CBSE, New Delhi

Wishing you all a

Merry Christmas

&

A Happy Peaceful & Prosperous New Year 2026

478/479, Sector-4, Hiran Magri, Udaipur
School Ext. Goverdhan Vilas, Udaipur

LAUREATE
HIGH SCHOOL

LHS, Behind BSNL Office, Sec-4, Udaipur, Mob.: +91 8696998806

L.SOLDIERS' SR. SEC. SCHOOL

बोर्ड परीक्षाओं में विगत 15 वर्षों से शत-प्रतिशत परिणाम

खेलकूद प्रतियोगिता में कई विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर उदयपुर जिले का प्रतिनिधित्व किया

10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में विद्यालय की शूटिंग रेंज के निशानेबाजों ने राज्य स्तर पर मेडल प्राप्त किये। नेशनल के लिये चयनित हुए और निशानेबाज अंजली मालवी ने इंडियन टीम ट्रायल्स के लिये क्वालिफाई किया

MERTA ROAD, DABOK, UDAIPUR
0294-2655177, 2941272
WWW.LSOLDIERSCHOOL.COM

BADALA CLASSES

ALL INDIA RANKERS IN CA, CS

बड़ाला क्लासेज Guru Ramdas Colony, Udaipur

94134 95256, 94602 53289

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 23 अंक 8, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2024-26 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur
'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001